दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

काशिका कपूर का पारंपरिक ...8

बलरामपुर

शनिवार , 14 मार्च 2026

वर्ष: 05 अंक : 160 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com


## भारतीय फुटबॉल जगत ने खोया दिग्गज, एआईएफएफ के पूर्व महासचिव कुसल दास का निधन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के पूर्व महा सचिव कुसल दास का शुक्रवार को 66 साल की उम्र में निधन हो गया। दास ने साल 2017 में भारत में हुए अंडर–17 फीफा विश्व कप के आयोजन में अहम रोल निभाया था। दास अपने पीछे पत्नी और दो बेटे छोड़ गए हैं। उन्होंने 12 साल तक एआईएफएफ के महा सचिव की जिम्मेदारी निभाई और साल 2022 में इस पद को छोड़ दिया।

## सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास

### इतिहास में पहली बार हटाने का प्रस्ताव संसद में पेश

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में नोटिस जमा कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की मांग की है। सूत्रों के हवाले से मिली रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा में 130 और राज्यसभा में 63 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहली बार है कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से हटाने का अनुरोध किया जा रहा है। सांसदों ने एसआईआर प्रक्रिया के संचालन में गंभीर खामियों का आरोप लगाया, जिससे उनके

अनुसार चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता से समझौता हुआ है। सूत्रों ने कहा, हस्ताक्षरकर्ताओं में 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्य शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने भी हस्ताक्षर किए हैं। आम आदमी पार्टी अब औपचारिक रूप से विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं है, हालांकि उसने इस कदम का समर्थन किया है। सूत्रों ने बताया कि कुछ निर्दलीय सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला नोटिस और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर नोटिस देना होता है। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर सीईसी पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है।

## लखनऊ और बडगाम में जुम्मे की नमाज के बाद प्रदर्शन, फिलिस्तीन को लेकर भी उठी आवाज

श्यौम–ए–कुद्सश के अवसर पर जम्मू एवं कश्मीर के बडगाम में हजारों लोग एकत्रित हुए और फिलिस्तीन और ईरान के उत्पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए विरोध मार्च निकाला। बडगाम के मरकजी इमामबाड़ा में भारी जनसमूह इकट्ठा हुआ, जिसके बाद लोगों ने शांतिपूर्ण रैली निकाली और बुडगाम के मुख्य चौक की ओर मार्च किया।

शुक्रवार को लखनऊ के बारा इमामबाड़ा में जुम्मे की नमाज के बाद लोगों के इकट्ठा होने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व शिया धर्मगुरु कल्बे जवाद नकवी ने किया, जिन्होंने अमेरिका की आलोचना करते हुए ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर उसकी कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करने की मांग की।

एएनआई से बात करते हुए कल्बे जवाद नकवी ने कहा कि ईरान पूरी तरह से बेसहारा हैय अमेरिका उस पर बम गिरा रहा है और जनता पर हमले कर रहा है। यह बड़े शर्म की बात है कि हमारा देश इसकी निंदा नहीं कर रहा है। हमारे देश ने ईरान के प्रति इतना बुरा रवैया अपनाया है कि ईरानी हम पर दया दिखा रहे हैं। उन्होंने भारत को अपने तेल जहाजों को लाने की अनुमति दी है... अमेरिका को हमले करने से रोका जाना चाहिए। अन्यथा, पूरी दुनिया को अमेरिका और इजराइल का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए और ईरान का समर्थन करना चाहिए।

# 'सिलिंडर नहीं मिल रहा तो लें पाइप गैस का कनेक्शन'

## एलपीजी संकट के बीच सरकार की अपील

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण एलपीजी उपलब्धता को लेकर खड़े संशय के बीच हुए सरकार ने दुकानदारों, होटलों और रेस्टोरेंट से अपील की है कि अगर उनके आसपास पाइप्ड नेचुरल गैस (च्छळ) की सुविधा उपलब्ध है तो वे तुरंत उसका कनेक्शन ले लें।

देश में नहीं है एलपीजी की किल्लतः सरकार का मानना है कि इससे एलपीजी सिलेंडरों पर दबाव कम होगा और घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके साथ ही आवासीय इकाइयों को भी सलाह दी गई है कि घर के पास पीएनजी कनेक्शन की सुविधा है तो उसे तुरंत लगवा लें। इसके साथ ही सरकार की तरफ से आम जनता को आश्वस्त किया गया है कि देश में एलपीजी की किल्लत वाली कोई बात नहीं है लेकिन घबड़ाहट में जिस तरह से बुकिंग कराई जा रही है उससे समस्या पैदा हो रही है। कुछ ही दिनों मे रोजाना बुोकग कराने वालों की संख्या करीब 20 फीसद बढ़ी है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया के हालात पर रोजाना होने वाली ब्रीफिंग में बताया कि देश में फिलहाल करीब 1.5 करोड़ पीएनजी कनेक्शन हैं। इसके अलावा 60 लाख ऐसी आवासीय इकाइयों में हैं। जिन घरों के आसपास पीएनजी नेटवर्क उपलब्ध है, उन्हें भी एलपीजी के बजाय पीएनजी अपनाना चाहिए।

### एलपीजी की मांग में हुई वृद्धि

*सिटी गैस वितरक एजेंसियों को कहा गया है कि वो पीएनजी कनेक्शन देने में तेजी दिखाएं। वाणिज्यिक इकाइयों को पीएनजी कनेक्शन देने की राह आसान करने के लिए राजमार्ग प्राधिकरण या राज्य सरकारों की एजेंसियों को तत्काल मंजूरी देने का निर्देश दिया गया है। सरकार का कहना है कि हाल के दिनों में एलपीजी की मांग में अचानक वृद्धि देखी गई है। जहां सामान्य दिनों में रोजाना औसतन लगभग 55.7 लाख सिलेंडरों की बुकिंग होती थी, वहीं गुरुवार को यह बढ़कर करीब 76 लाख तक पहुंच गई। इसके बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां रोजाना करीब 50 लाख एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के बाद से देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी उत्पादन 30 फीसद तक बढ़ा दिया है।*

## कांशी राम की विरासत पर राहुल का दांव

### लखनऊ से मायावती की बीएसपी को सीधी चुनौती?

लखनऊ। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम की जयंती के अवसर पर आयोजित श्संविधान सम्मेलनश में भाग लेंगे। एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि राहुल गांधी कांशी राम द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चल रहे हैं। तनुज पुनिया ने कहा कि कांशी राम दलितों के महान नेता थे। उन्होंने बाबासाहेब के मिशन को आगे बढ़ाया और दलितों, पिछड़े समुदाय के लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम किया। पुनिया ने कहा कि राहुल गांधी भी उसी राह पर चल रहे हैं। राहुल गांधी हमेशा उन लोगों की बात करते हैं जिनकी चिंताओं को अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। वे कांशी राम की जयंती

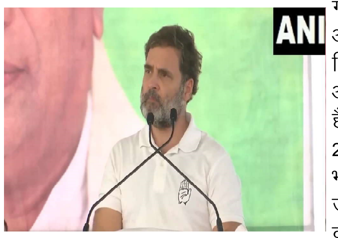


मनाने के लिए लखनऊ आ रहे हैं। इससे यह संदेश भी जाएगा कि कांशी राम जी सिर्फ एक पार्टी के नेता नहीं थे, बल्कि पूरे (बहुजन) समुदाय के नेता थे। 2024 के आम चुनावों से पहले कांग्रेस के चुनावी मुद्दों में संविधान और जाति सर्वेक्षण भी शामिल थे। बसपा के संस्थापक और जातिगत समानता के प्रबल समर्थक कांशी राम का जन्म 15 मार्च 1934 को हुआ था। उनके नेतृत्व में बसपा उत्तर प्रदेश के बहुजन समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख संस्था बन गई, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय शामिल हैं। उनका निधन 9 अक्टूबर 2006 को हुआ। बसपा और भाजपा द्वारा कांशी राम की जयंती के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है। पिछले वर्ष कांशी राम की पुण्यतिथि पर, बसपा प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उत्तर प्रदेश में वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार कांशी राम स्मारक से एकत्रित धन के प्रबंधन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त किया था। बसपा संस्थापक की पुण्यतिथि पर स्मारक पर बोलते हुए, मायावती ने आगंतुकों से प्राप्त राजस्व को दबाने न करने के लिए भाजपा सरकार की प्रशंसा की।

## महुआ मोइत्रा केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन, लोकपाल की सीबीआई जांच वाले हाई कोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें लोकपाल को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई को आरोपपत्र दाखिल करने की मंजूरी देने की अनुमति दी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ लोकपाल की याचिका पर मोइत्रा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और भाजपा सांसद तथा शिकायतकर्ता निशिकांत दुबे को नोटिस जारी किया।

19 दिसंबर 2025 को, उच्च न्यायालय ने लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें सीबीआई को कथित पूछताछ के बदले नकद घोटाले में मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी।

### सवाल–जवाब के बदले नकद मामले के बारे में सब कुछ जानें

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोकपाल अधिनियम की धारा 20 के तहत सूचीबद्ध शक्तियों और प्रक्रियाओं से संबंधित कई याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए उच्च न्यायालय के फैसले के अनुच्छेद 89 पर रोक लगा दी। सवाल–जवाब के बदले नकद मामला इस आरोप से संबंधित है कि मोइत्रा ने एक व्यवसायी से नकद और उपहार लेकर लोकसभा में प्रश्न पूछे थे।

## बैंक धोखाधड़ी करने वालों पर ईडी का हंटर

### हैदराबाद में 35 करोड़ की जमीन और फ्लैट कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बीएनआर इंफ्रा एंड लीजिंग, एलीट इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 35.05 करोड़ रुपये मूल्य की दो अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। ईडी के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने बीरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी और अनिल बेनीप्रसाद अग्रवाल की संपत्तियों को जब्त किया है, जिनमें एक जमीन का टुकड़ा और एक आवासीय फ्लैट शामिल हैं। ईडी ने सीबीआई, ईओडब्ल्यू, चेन्नई और सीबीआई, एसीबी, हैदराबाद द्वारा आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई दो

एफआईआर के आधार पर पीएमएलए, 2002 के तहत जांच शुरू की थी। ये एफआईआर बीएनआर इंफ्रा एंड लीजिंग और एलीट इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ महाराष्ट्र से क्रमशः जाली दस्तावेज जमा करके, गिरवी रखी गई संपत्तियों के स्वामित्व और स्थिति के बारे में गलत जानकारी देकर और विवादित भूमि स्वामित्व से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर धोखाधड़ी से ऋण प्राप्त करने से संबंधित हैं।

## पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले ममता बनर्जी का मास्टरस्ट्रोक, 5 नए विकास बोर्ड बनाने का ऐलान

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य के हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार जल्द ही मुंडा (अनुसूचित जनजाति), कोरा (अनुसूचित जनजाति), डोम (अनुसूचित जनजाति), कुंभकार (अन्य पिछड़ा वर्ग) और सदगोपे (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों का गठन करने जा रही है। ये समुदाय बंगाल की जीवंत संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। मैं उन सभी को हार्दिक बधाई देती हूं।

## आप मार्केटिंग में माहिर हैं, जॉन ब्रिटास के तंज पर राज्यसभा में अश्विनी वैष्णव का तीखा पलटवार

नई दिल्ली। शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कन्नूर और तिरुवनंतपुरम के बीच हाई–स्पीड कॉरिडोर पर चर्चा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हाई–स्पीड कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर सवाल उठाते हुए ब्रिटास ने कहा कि रेल मंत्री ष्प्रस्तुति और मार्केटिंग में माहिर हैं। जवाब में वैष्णव ने सीपीआई (एम) और कांग्रेस के बीच गठबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों पार्टियां केरल में विकास नहीं चाहतीं। सीपीआई (एम) सांसद ने पूछा कि रेलवे मंत्री की एक अच्छी बात यह है कि वे प्रदर्शन और मार्केटिंग में माहिर हैं, और इसीलिए उन्हें सूचना एवं प्रसारण का अतिरिक्त पोर्टफोलियो दिया गया है। उन्होंने पांच पन्नों के जवाब में सात सर्वेक्षणों का जिक्र किया, जिनमें से एक सर्वेक्षण 2018–19 के बजट में घोषित किया गया था। डीपीआर जमा हो चुका है, और वे अब भी इस सर्वेक्षण की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ई. श्रीधरन का पत्र रेलवे बोर्ड को जांच के लिए भेजा गया है।

## राज्यसभा चुनाव की बिसातः बिहार, ओडिशा और हरियाणा में कड़ा मुकाबला

नई दिल्ली। 16 मार्च, 2025 को होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों में दस राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से 26 सीटें पहले ही निर्विरोध उम्मीदवारों द्वारा भरी जा चुकी हैं, जिनमें 85 वर्षीय एनसीपी संस्थापक शरद पवार, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई–ए) के प्रमुख रामदास अठावले और एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता एम थंबीदुरई शामिल हैं। शेष 11 सीटों जिसमें बिहार में पांच, ओडिशा में चार और हरियाणा में दो के लिए मतदान होगा और परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। वर्तमान में, विपक्षी गठबंधन गठबंधन (इंडिया) के पास 245 सीटों वाले उच्च सदन में 80 सीटें हैं, जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास 136 सदस्यों का आरामदायक बहुमत है और भाजपा के पास स्वयं 102 सांसद हैं। ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनाव में क्रॉस–वोटिंग की आशंकाओं के बीच, कांग्रेस पार्टी ने अपने विधायकों को बेंगलुरु स्थानांतरित कर दिया है, जिसे व्यापक रूप से अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए रिसॉर्ट राजनीति के हिस्से के रूप में देखा जा

रहा है। ओडिशा विधानसभा के 147 सदस्यों में से भाजपा के पास वर्तमान में 79 विधायकों का समर्थन है, जबकि बीजू जनता दल (बीजेडी) के पास 50 सीटें और कांग्रेस के पास 14 विधायक हैं। बीजेडी ने शांतनु मिश्रा को अपना आधिकारिक उम्मीदवार नामित किया है और कांग्रेस द्वारा समर्थित चौथे राज्यसभा सीट के लिए दत्तेश्वर होता को भी सामान्य उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, भाजपा ने दो उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है और निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय का भी समर्थन किया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, चौथी सीट पर मुकाबला क्रॉस–वोटिंग पर निर्भर हो सकता है। दत्तेश्वर होता की जीत कांग्रेस विधायकों के समर्थन पर निर्भर करेगी, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को जीत हासिल करने के लिए विपक्षी दलों के कम से कम आठ विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होगी। हरियाणा में 16 मार्च को राज्यसभा की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबला होगा, जिसमें निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नंदाल ने भी मैदान में बने रहने का फैसला किया है। नंदाल, जिन्होंने कभी भाजपा के टिकट पर भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, ने तीन निर्दलीय विधायकों – राजेश जून, सावित्री जिंदल और देवेंद्र कादियान के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है।

# राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने सुनीं महिलाओं की फरियाद, पुलिस की शिथिलता पर जताई कड़ी नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई, जागरूकता चौपाल एवं जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। जनसुनवाईरू 30 मामलों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश जनसुनवाई के दौरान उपाध्यक्ष के समक्ष महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज और छेड़छाड़ से संबंधित कुल 30 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए। श्रीमती चौधरी ने पुलिस विभाग द्वारा महिला उत्पीड़न के मामलों में कार्रवाई में शिथिलता बरतने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने महिला थाना और संबंधित थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों को बुलाकर एक सप्ताह के भीतर नियमानुसार निस्तारण रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। शिक्षा और बालिका सुरक्षा पर जोर उपाध्यक्ष ने स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो बालिकाएं स्कूल नहीं जा रही हैं, उन्हें कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से जोड़कर शिक्षित किया जाए। स्कूलों में बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए और शौचालयों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। बाल कल्याण समिति बाल विवाह को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए। औचक निरीक्षणरू बच्चों के शैक्षणिक स्तर पर असंतोष विकास भवन में बैठक के बाद उपाध्यक्ष ने उच्च प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र कपिया मिश्र का औचक निरीक्षण किया। कक्षाओं में बच्चों से गणित के सवाल हल न कर पाने पर उन्होंने शिक्षकों को फटकार लगाई और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केंद्र में उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। जेल और वृद्धाश्रम का हाल जाना चारू चौधरी ने जिला जेल का निरीक्षण कर महिला बैरक की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने महिला बंदियों को दिए जा रहे सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण की सराहना की और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने श्अपना घरश् वृद्धाश्रम का दौरा कर वृद्धजनों का हाल–चाल जाना और उन्हें मिल रही सरकारी सुविधाओं की जानकारी ली। उपस्थितिरू इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी रोहिणी, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार, बीएसए शैलेश कुमार, डीआईओएस अरुण कुमार, समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## 6 माह से खराब सबमर्सिबल पंप, सिंदुरिया के यादव बस्ती में पेयजल संकट गहराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन विकासखंड अंतर्गत सिंदुरिया ग्राम पंचायत के यादव बस्ती के पीछे स्थित बोरिंग में लगाया गया सबमर्सिबल पंप

बीते करीब छह माह से खराब पड़ा है। इसके चलते वहां स्थापित पानी की टंकी में सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई है, जिससे दर्जनों परिवारों को पीने के पानी के लिए इधर–उधर भटकना पड़ रहा है। क्षेत्र पंचायत के द्वारा लगाया गया समरसेबिल पंप छ महिने भी नही चल पाया ग्रामीणों ने बताया कि उदल चेरो व दुलारे धोबी के घर के पास बोरिंग कर सबमर्सिबल पंप लगाया गया था। साथ ही सौर ऊर्जा प्लेट भी स्थापित की गई थी, जिससे टंकी में पानी चढ़ाकर पूरे मोहल्ले में आपूर्ति की जाती थी। लेकिन पंप खराब होने के बाद से यह व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल संकट से नाराज ग्रामीणों पंकज चेरो, मनोज चेरो, लाल बहादुर चेरो, सुरेंद्र यादव, शाहिद सहित बड़ी संख्या में लोगों ने टंकी के पास एकत्र होकर संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत प्रधान को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने बताया कि गर्मी का मौसम नजदीक है सबमर्सिबल पंप की मरम्मत या नया पंप लगाने की मांग की।

## सिद्धार्थनगर के 3.15 लाख किसानों के खातों में पहुंचे 63 करोड़ रुपये, सांसद जगदम्बिका पाल ने दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम के गुवाहाटी से देश के करोड़ों किसानों को बड़ी सौगात देते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी की। इसी क्रम में जनपद सिद्धार्थनगर के 3,15,055 किसानों के बैंक खातों में 63 करोड़ 1 लाख 10 हजार रुपये की सम्मान राशि सीधे हस्तांतरित की गई है। सांसद ने .षि विज्ञान केंद्र में किसानों संग साझा की खुशी तहसील इटवा के विकास खंड भनवापुर स्थित .षि विज्ञान केंद्र, सोहना में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता व सांसद जगदम्बिका पाल ने शिरकत की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज देशभर के 9 करोड़ 32 लाख से अधिक किसानों को 18,640 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। बिना भेदभाव हर वर्ग का हो रहा उत्थानरू जगदम्बिका पाल किसानों को संबोधित करते हुए सांसद श्री पाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना किसी भेदभाव के समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्गरीबों और किसानों के हित में किए जा रहे ये कार्य देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कदम हैं।ष् प्रमुख लोगों की उपस्थिति कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, अखंड सिंह, सुधीर त्रिपाठी, संजय सिंह, मोना पाण्डेय, आजाद सिंह, रामतेज शुक्ला, रमेश यादव सहित भारी संख्या में किसान और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

## अलविदा की नमाज सकुशल सम्पन्न, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक–चौबंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। माह–ए–रमजान के अंतिम जुमे के अवसर पर अदा की जाने वाली 'अलविदा की नमाज' को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा 'थाना रॉबर्ट्सगंज

क्षेत्रांतर्गत प्रमुख मस्जिदों एवं संवेदनशील स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया' तथा मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता बरतते हुए शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारीगण तथा थाना प्रभारीगण अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। प्रमुख मस्जिदों एवं भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती गई। नमाज के दौरान शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस द्वारा पैदल गश्त की गई तथा भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी पुलिस बल को प्रमुख स्थानों पर लगाया गया। जनपद पुलिस द्वारा सतर्कता, समन्वय एवं प्रभावी सुरक्षा प्रबंधन के फलस्वरूप 'अलविदा की नमाज जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न हुई। पुलिस द्वारा जनपदवासियों से आपसी सौहार्द, भाईचारा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

## श्रुति ओला के प्रथम नगर आगमन पर भव्य स्वागत अभिनंदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। देश की प्रतिष्ठित यूपीएससी परीक्षा में नगर के

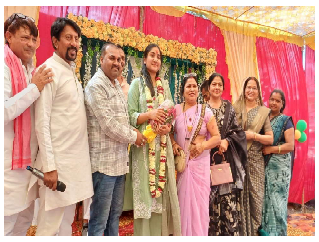

चोपन रोड निवासी कुमारी श्रुति ओला के 329 वा रैंक पाने के बाद दिल्ली से ओबरा प्रथम आगमन पर नगर वासियों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान शारदा मंदिर चौराहे पर भारी संख्या में उपस्थित सामाजिक, राजनीतिक, व्यवसायिक कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े के साथ स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात मंदिर पर दर्शन के बाद सभी लोग उनके चोपन रोड स्थित मकान पर आयोजित भव्य सम्मान समारोह में नगर वासियों ने नगर को गौरवान्वित करने के लिए उन्हें पुष्पमाला एवं बुके भेंट कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए अपनी–अपनी शुभकामनाएं दिया।अपने सम्बोधन में श्रुति ओला ने कहा की यही आंगन है, जब मैं यहां छोटी सी अवस्था में रहकर पठन–पाठन को आगे बढ़ाया और उसी आंगन में आज हमें आप सभी को संबोधित करते हुए खुद भी गौरव की अनुभूति हो रही है। जीवन में वह अपने माता–पिता से बहुत ही प्रभावित और प्रेरित होती रही हैं। इस सफलता को मां–बाप की देन मानती हैं। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष चांदनी देवी,सुनील गोंड, दुर्गावती देवी, रमेश सिंह यादव,रामकृक्ष यादव, राम निहोर यादव, संजय यादव,अशोक यादव, अजय कुमार पाठक, पवन यादव ,खुर्शीद आलम, राकेश मिश्रा, दशरथ शुक्ला, विकास सिंह,आनंद जायसवाल आनंद पटेल दयालु, शिवनाथ जायसवाल, उषा शर्मा, सरिता सिंह, निर्मला भटनागर, अनूप कुमार सेठ सहित भारी संख्या में नगर के लोग मौजूद रहे।

## राष्ट्रपति के अयोध्यां दौरे से पहले एक्शन में सीएम योगी, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या के सीएफसी सभागार में राष्ट्रपति की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा के संबंध में समीक्षा बैठक की। अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट निखिल टिकाराम फुंडे ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करेंगी। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए जिला मजिस्ट्रेट फुंडे ने कहा कि राष्ट्रपति की यात्रा की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। योगी ने कहा कि राष्ट्रपति 19 मार्च को जिले में आ रही हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। आयुक्त, एडीजी और डीआईजी ने सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी को निर्देश मिल चुके हैं।

## कैंटोनमेंट बोर्ड के सत्यम मोहन (सीईओ) तथा कैंट थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा का हुआ भव्य सम्मान

**दैनिक बुद्ध का संदेश /राजेश शर्मा**

वाराणसी। कैंट थाना अंतर्गत फुलवरिया क्षेत्र स्थित डायनेमिक इंग्लिश स्कूल के प्रबंधक दिलीप श्रीवास्तव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में समाज के प्रति अच्छे कार्य करने वाले सामाजिक लोगों को सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्यम मोहन (सीईओ) कैन्टोंमेंट बोर्ड वाराणसी तथा विशिष्ट अतिथि शिवाकांत मिश्रा थाना प्रभारी कैंट द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉ० शिवकुमार गुप्ता,श्रीमती मधुपाल (प्रिंसिपल) दिलीप श्रीवास्तव (प्रबंधक),श्वेता श्रीवास्तव, दिनेश कुमार सिंह,रीना त्रिपाठी,कंचन तिवारी,डीके सर,रूपा राजवीर,शबाना खातून,अंजली मौर्या,प्रतिभा राय,रागिनी पटेल,पूनम सिंह,वंदना शर्मा,किरण मौर्य सहित आदि अध्यापक एवं अध्यापिका उपस्थित

रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में – छात्रा मोहिनी शर्मा द्वारा ष्सत्यम शिवम सुंदरमष गीत पर नित्य प्रस्तुत किए। जिसे देख दर्शक दीघा में बैठे लोग मंत्र मुग्ध हो हो उठे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सत्यम मोहन ने विद्यालय प्रबंधक के जन्मदिन पर बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि,इतने छोटे से जगह स्थापित इस विद्यालय ने बड़े–बड़े कार्य किए हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को काहा की आप सौभाग्यशाली है जो आपको ऐसे अध्यापक और वातावरण मिला आप सब पड़कर देश नाम खूब रोशन करें। उक्त अवसर पर थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि,छोटे से विद्यालय में बच्चों की अद्भुत प्रतिभा देखकर ही विद्यालय का अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहा नौनीहालों को शिक्षा के साथ सांस्‌तिक एवं पारंपरिक गुण भी सिखाया जाता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधक को जन्मदिन की बधाई देते हुए विद्यालय की उज्जवल भविष्य की कामना की। उक्त अवसर पर डॉ. शिवकुमार गुप्ता ने विद्यालय के द्वारा किए गए कार्य एवं छात्रों की प्रस्तुति पर आभार व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। अंत मेंधन्यवाद ज्ञापन अलका तिवारी ने की ।

## कमर दर्द से राहत और बेहतर पाचन के लिए रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन

रोजाना योगाभ्यास स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में महत्पवूर्ण भूमिका अदा करता है। कई लोग आम योगासन को बारे में तो जानते हैं, लेकिन उत्थित पार्श्वकोणासन के बारे में कम ही जानते हैं। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के शारीरिक लाभ मिल सकते हैं। उत्थित पार्श्वकोणासन एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो तत्वों को मिलाकर शरीर के साइड भाग को खोलता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के दोनों तरफ में गहरा खिंचाव आता है, जिससे कमर दर्द में राहत मिलती है और रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना 30–60 सेकंड तक इसके अभ्यास से

जीवनशैली बेहतर हो सकती है। हालांकि, इसके साथ संतुलित आहार भी लेना चाहिए। इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे–धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे–धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे–धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा। आयुष मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, यह एक खड़ी मुद्रा वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं, लेकिन शुरुआत में इसको किसी योग विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें, और अगर आपको कोई गंभीर चोट, माइग्रेन, या हाल ही में कोई सर्जरी हुई है, तो करने से पहले डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह लें।

## तेल कम्पनियों के नोडल अधिकारियों के साथ पुलिस व प्रशासन के अधिकारी रहे भ्रमणशील–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद में सुचारू रूप से पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी आदि की आपूर्ति हेतु सचिव गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्देश प्राप्त हुआ है कि पेट्रोलियम पदार्थों के सूचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जाये, पेट्रोल/डीजल की उपलब्धता के सम्बन्ध में कोई समस्या नहीं है इसके सम्बन्ध में जनमानस को अवगत कराया जाए और एलपीजी के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा अस्थाई रूप से घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है उन्होने कहा कि अतिरिक्त पारदर्शी वितरण हेतु ओटीपी के माध्यम से रिफिल डिलीवरी की व्यवस्था की जा रही है। भ्रम फैलाने वाले न्यूज चौनलों/सोशल मीडिया प्लेटफार्म के मैसेज तथा वीडिओ आदि पर कड़ी निगरानी की जाये। यह सुनिश्चित किया जाये कि गैस सिलेण्डर के वितरण की व्यवस्था के कम में कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। गैस सिलेण्डर ले जाने वाले वाहनों को जनपदों में पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जायें। गैस एजेन्सियों से किसी भी प्रकार की कालाबाजारी/अवैध बिक्री को रोकने हेतु आवश्यक कदम उठाये जायें एवं गैस एजेन्सियों पर सामान्य वितरण हेतु सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये ताकि ग्राहको को नियमानुसार सिलेण्डर उपलब्ध हो सके। राजस्व विभाग खाद्य एवं रसद विभाग तथा तेल कम्पनियों के नोडल अधिकारियों के साथ प्रशासन व पुलिस के अधिकारी भ्रमणशील रहें।

## नशा मुक्ति की दिलाई गयी शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा की राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन सबसे पहले शिविरार्थियों को वीरेंद्र श्रीवास्तव ने योगाभ्यास कराया। इसके पश्चात दहेज मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत के लिए शिविरार्थियों को शपथ दिलाई गई। नशा मुक्ति समस्या एवं समाधान तथा नशा मुक्ति अभियान पर विशाल रैली निकाली गई स इस रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों सहित शिवरार्थियों ने खैराटिया गांव के मलिन बस्तियों में घर–घर जाकर ग्रामीणों को नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक क्षति के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। रैली के समाप्त होने के बाद श्नशा मुक्तिश्श समस्या एवं समाधान तथा दहेज प्रथा एक अभिशाप विषय पर बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सचिन कुमार ने किया। स्वागत भाषण डॉ. आलोक यादव ने किया। आभार ज्ञापन डॉ. संघमित्रा ने की एवं अंजलि मिश्रा ने शिविर की व्यवस्था दी। इस दौरान सत्या तिवारी, प्रियांशी सिंह, अभिषेक, नीरज, राजेश, आनंद, नित्या, पायल, इत्यादि छात्र/छात्राओं ने भी नशा मुक्ति पर अपने विचार व्यक्त किये। शाम को आयोजित तीन पैर दौड़ प्रतियोगिता में सुहानी और सलोनी ने प्रथम स्थान, प्रिया और खुशबु ने द्वितीय स्थान, निगम और कुसुम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया स कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार, डॉ विनोद बहादुर सिंह, श्राजेश्वर रंजन, धर्मेंद्र कुमार, महेश पांडेय, सरफुद्दीन, मनीष, प्रियांशी सिंह, मधु, प्रियंका, सूरज अक्षय, अंजलि, प्रीति, सिमपी, खुशी, नित्या, सुमेधा, वर्षा, खुशबु, आकांक्षा, प्रियंका, मनीषाआदि लोग मौजूद रहे।

# बांसी में एक सप्ताह से रसोई गैस की किल्लत, उपभोक्ता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बांसी।** बांसी तहसील मुख्यालय पर लगभग एक सप्ताह से रसोई गैस की भारी किल्लत बनी हुई है। गैस एजेंसी से होम डिलीवरी पूरी तरह ठप होने के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस लेने के लिए लोगों को सुबह से ही एजेंसी पर लंबी लाइन लगानी पड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद यह सुनिश्चित नहीं है कि सभी को गैस मिल ही जाएगी। गैस उपभोक्ता अरुण कुमार, राजाराम केवट, विष्णु प्रसाद, राजेश मौर्य, दुलारी देवी और पंकज निषाद ने बताया कि उन्होंने काफी पहले गैस बुकिंग कराई थी, लेकिन अब तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाया है। इससे उनके सामने खाना बनाने जैसी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हो रही है। कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि बुकिंग के बाद ओटीपी मिलने पर ही उन्हें गैस उपलब्ध कराई गई। मोहम्मद मुर्तजा, दीनानाथ, रामनरेश और सीताराम ने बताया कि एजेंसी पर ओटीपी दिखाने के बाद उन्हें सिलेंडर मिला। वहीं होटल और चाय की दुकानों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। होटल संचालक पंकज कुमार और चाय की दुकान चलाने वाले बृजेश कुमार ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उन्हें मजबूरी में बचे हुए घरेलू सिलेंडर से काम चलाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो उन्हें अपनी दुकानें बंद करनी पड़ सकती हैं। गुरुवार की सुबह बांसी के पूर्ति निरीक्षक और नायब तहसीलदार की निगरानी में गैस सिलेंडरों का वितरण कराया गया। इसके बावजूद उपभोक्ताओं की भीड़ कम नहीं हुई और लोगों को लंबे समय तक लाइन में खड़े रहना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बाजार में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी भी हो रही है। उनका कहना है कि 1150 रुपये वाले सिलेंडर को 1800 रुपये तक में ब्लैक में बेचा जा रहा है। इससे आम जनता को और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

## उत्कृष्ट विद्यालय जूनियर हाई स्कूल पननी में हुआ वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**लोटन।** लोटन क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पननी में आज वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन किया गया इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए ग्राम प्रधान फूलचंद एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया कक्षा 7एवं 8 की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां आयोजित की गयीं जिसकी उपस्थित सदस्यों द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गयी। श्रेष्ठा योजना एवं राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल बच्चों को माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक बाबूराम ने विद्यालय के बच्चों को सम्बोधित किया। राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक दयाशंकर पाण्डेय ने बच्चों को जीवन में आगे आने वाली चुनौतियों का सामना कर समाज में ऊँचा मुकाम हासिल करने हेतु प्रेरित किया इस अवसर पर विजयशंकर पाण्डेय, विनोद पाण्डेय, अनुपम एवं नम्रता उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन भानुप्रताप ने किया खंड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार शुक्ल ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं।

## कोटिया पाण्डेय चौराहे पर आम आदमी पार्टी का महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बांसी।** क्षेत्र के कोटिया पाण्डेय गांव के चौराहे पर शुक्रवार को आम आदमी पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव के नेतृत्व में महिला संवाद कार्यक्रम के तहत एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाओं ने भाग लिया और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीलम यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी हमेशा से आम जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाती रही है। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश में बढ़ती महंगाई, महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी गंभीर चिंता का विषय बन गई है। इन समस्याओं के समाधान के लिए महिलाओं को आगे आकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने कहा कि समाज और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी जितनी मजबूत होगी, उतना ही समाज का विकास तेज होगा। आम आदमी पार्टी महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें राजनीतिक मंच देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस अवसर पर नीलम यादव ने गांव के चौराहे पर पार्टी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय खुलने से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों को संचालित करने में सहूलियत मिलेगी और जनता की समस्याओं को सुनकर उन्हें पार्टी के मंच तक पहुंचाया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान पार्टी की नीतियों और आगामी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में मौजूद महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनसमस्याओं को लेकर सक्रिय रहने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रदेश महासचिव रेखा जयसवाल, उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल चौधरी, कार्यक्रम आयोजक प्रदीप कुमार पांडेय, देवेंद्र नाथ, जिला प्रभारी विपिन तिवारी, संतोष पाण्डेय, अजय मिश्रा, उमाशंकर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय महिला–पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## बतसा में चकबंदी ग्राम चौपाल का आयोजन : अपर जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बांसी।** चकबंदी आयुक्त उत्तर प्रदेश, डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के कुशल नेतृत्व एवं जिलाधिकारी/जिला उप संचालक चकबंदी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को तहसील बांसी के ग्राम पंचायत बतसा में एक महत्वपूर्ण ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। पंचायत भवन पर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी/उपसंचालक चकबंदी डॉ. ज्ञान प्रकाश ने की। चौपाल का मुख्य उद्देश्य चकबंदी प्रक्रिया से जुड़ी किसानों की समस्याओं का गांव के भीतर ही समाधान करना था। डॉ. ज्ञान प्रकाश ने उपस्थित कृषकों से सीधा संवाद किया और चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय कर्मचारियों को निर्देशित किया कि चकबंदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए और काश्तकारों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में चकबंदी विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को चकबंदी से होने वाले लाभों और विधिक प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सुनील कुमार (सहायक चकबंदी अधिकारी) प्रदीप कुमार (पेशी कानूनगो) सच्चिदानन्द (चकबंदीकर्ता) जगदीश कुशवाहा (चकबंदी लेखपाल) जनप्रतिनिधि और ग्रामीण रहे मौजूद कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्रीमती सीमा द्विवेदी, शिवेन्द्र द्विवेदी और सुन्दर मणि द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने चकबंदी से जुड़ी अपनी जिज्ञासाएं और समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिन पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

## डीएम ने सिद्धार्थ गैस सर्विस का किया औचक निरीक्षण, कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** जनपद में गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने शुक्रवार को बर्डपुर स्थित सिद्धार्थ गैस सर्विस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल अभिलेखों की जांच की, बल्कि सुरक्षा मानकों और उपभोक्ता सुविधाओं का भी बारीकी से अवलोकन किया। सुरक्षा मानकों में लापरवाही पर दी सख्त हिदायत जिलाधिकारी ने गैस सिलेंडरों के भंडारण स्थल (गोदाम) का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने मौके पर मौजूद अग्निशमन उपकरणों की कार्यशीलता की स्वयं जांच की और कहा कि किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए सभी उपकरण हमेशा वर्किंग कंडीशन में होने चाहिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्टॉक रजिस्टर, उपभोक्ताओं की बुकिंग और डिलीवरी से संबंधित फाइलों को खंगाला। उन्होंने एजेंसी संचालक को निर्देशित किया कि सभी अभिलेखों को प्रतिदिन अद्यतन रखा जाए। गैस वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। कालाबाजारी या अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। आमजन और उज्ज्वला लाभार्थियों को न हो असुविधा जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित उपभोक्ताओं से भी सीधा संवाद किया और उनसे मिल रही सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को समयबद्ध तरीके से सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब उपभोक्ता को गैस के लिए चक्कर न लगाने पड़ें। एजेंसी परिसर में पेयजल, प्रतीक्षालय और शिकायत पंजिका जैसी अनिवार्य सुविधाओं की उपलब्धता की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी और गैस एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

## राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन 16 मार्च को, अम्बेडकर सभागार में जुटेगा 50 संगठनों का महासंगठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** जनपद के सरकारी कर्मचारियों के सबसे बड़े मंच राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेश (जनपद इकाई–सिद्धार्थनगर) का द्विवार्षिक अधिवेशन आगामी 16 मार्च 2026 को आयोजित होने जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित अम्बेडकर सभागार में दिन में 11ः00 बजे से सुनिश्चित किया गया है। परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अधिवेशन में जनपद के लगभग 50 कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। परिषद, जिसके प्रदेश अध्यक्ष ई. हरिकिशोर तिवारी हैं, इस आयोजन के माध्यम से कर्मचारियों की एकजुटता और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा करेगी। परिषद द्वारा अधिवेशन के भव्य उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि को आमंत्रित किया गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने पत्र के माध्यम से सादर अनुरोध किया है कि मुख्य अतिथि अपने कर–कमलों से इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करें। अधिवेशन की सफलता को लेकर परिषद की जिला कार्यकारिणी पूरी तरह सक्रिय है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनिल सिंह (जिलाध्यक्ष) अजय गुप्ता (कार्यकारी अध्यक्ष) मनोज पाण्डेय (उपाध्यक्ष) राममूरत (संगठन मंत्री) शैलेन्द्र गुप्ता (जिला मंत्री) महेश्वर पाण्डेय (कोषाध्यक्ष) सहित अन्य सदस्य तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

# नचनी में सजी ग्राम चौपाल : विधायक और डीएम ने सुनीं जनता की समस्याएं, मौके पर निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** गांव की समस्या, गांव में समाधान अभियान के तहत शुक्रवार को विकास खण्ड मिठवल की ग्राम

पंचायत नचनी में भव्य ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। बांसी विधायक जय प्रताप सिंह और जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में शासन की योजनाओं की समीक्षा की गई और ग्रामीणों की शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित किया गया। पात्रों को मिले योजनाओं का सीधा लाभरू विधायक मुख्य अतिथि विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड योजना का जिक्र करते हुए कहा कि 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे कैंपों का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं। लापरवाही पर जिलाधिकारी की कड़ी चेतावनी जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने चौपाल में मौजूद ग्रामीणों से सीधे संवाद कर पेंशन, राशन वितरण और राजस्व मामलों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि पेंशन व वरासत वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन के लंबित मामलों का तुरंत सत्यापन कर लाभ दिया जाए। वरासत और पैमाइश के मामलों में देरी बर्दाश्त नहीं होगी। किसान कल्याण प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्षतिपूर्ति और किसान सम्मान निधि की समस्याओं को तत्काल दूर करें। सभी किसान अपनी फ़ार्मर रजिस्ट्रीश अनिवार्य रूप से करा लें। राशन वितरण कोटेदारों द्वारा राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। महिला सशक्तिकरण और जन सहभागिता डीएम ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील की ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण (ै्प्) पर जोर देते हुए कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा फार्म–06 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं। गोदभराई और विभागीय स्टाल चौपाल के दौरान जिलाधिकारी द्वारा गर्भवती महिलाओं का विधिवत गोदभराई कार्यक्रम संपन्न कराया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और आवेदन पत्र भरवाए गए। इस अवसर पर सीडीओ बलराम सिंह, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी गणेश प्रसाद, डीपीआरओ वाचस्पति झा, बीडीओ मिठवल सौरभ पाण्डेय सहित अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

## सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में मछली पालन पर कार्यशाला : पंगेसियस से बढ़ेगी किसानों की आय, डीएम ने जारी की मार्गदर्शिका

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** किसानों की आय बढ़ाने और नीली क्रांति को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शुक्रवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के गौतम बुद्ध सभागार में एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय च्हंहेने मछली पालन की उन्नत तकनीक रहा। प्राणी विज्ञान विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने बताया कि पंगेसियस मछली पालन पारंपरिक मछली पालन की तुलना में कम समय में अधिक उत्पादन देता है। वैज्ञानिकों ने किसानों को कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी, जिनमें वैज्ञानिक प्रबंधनरू उन्नत बीज का चयन और तालाब तैयार करने की सही विधि। गुणवत्ता नियंत्रणः पानी के पीएच मान का संतुलन और पौष्टिक आहार का उपयोग। रोग नियंत्रणरू मछलियों को बीमारियों से बचाने के आधुनिक तरीके। खेती के साथ अपनाएं मत्स्य पालन जिलाधिकारी जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर रहने के बजाय मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि पंगेसियस मछली की बाजार में बढ़ती मांग को देखते हुए यह किसानों के लिए आय का एक अच्छा स्रोत बन सकता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विशेषज्ञों के साथ "पंगेसियस मछली पालन प्रशिक्षण पुस्तिका" का विमोचन भी किया, जो स्थानीय मत्स्य पालकों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करेगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगतिशील किसानों ने विशेषज्ञों से सवाल–जवाब किए। विशेषज्ञों ने किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के व्यावहारिक तरीके बताए। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। इस अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के प्रोफेसर, जिला मत्स्य अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में मत्स्य पालक और किसान उपस्थित रहे।

## सम्पादकीय

**निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के ...**

# इच्छामृत्यु के बाबत स्पष्ट कानून जरूरी

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है। कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया। लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है। हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा। दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है। जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा–निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं। बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति–नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए। जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके। निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिये परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिये कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

## सीटेट में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों का प्राप्तांक भी 82 हो

भारतीय संविधान नौकरियों समानता की बात करता है। इसलिए वर्तमान में सीटेट यानी कि सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट, के नियम काफी स्पष्ट हैं, लेकिन उनमें बदलाव की जरूरत है। वर्तमान उत्तीर्ण मानक,एन सी टी ई के दिशा–निर्देशों के अनुसार, वर्तमान में उत्तीर्ण अंक का निर्धारण कुछ इस तरह है। सामान्य वर्ग के लिए उत्तीर्ण होने के लिए 60 प्रतिशत अंक यानी कि 150 में से 90 अंक चाहिए। जबकि आरक्षित वर्ग यानी कि ओ बी सी, एस सी , एस टी 55 प्रतिशत अंक यानी कि 150 में से 82 अंक चाहिए। सवाल यह है कि सामान्य वर्ग का प्राप्तांक भी क्यों नहीं 82 किया जा रहा है। घटाने के पीछे आमतौर पर ये कारण दिए जाते हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में सीटेट के पेपर का स्तर विशेषकर कथन कारण वाले प्रश्न काफी कठिन आए हैं। चूंकि यह केवल एक क्वालीफाइंग परीक्षा है। इसके अंक अंतिम मेरिट में नहीं जुड़ते, सिवाय कुछ राज्यों के। इसलिए मानक थोड़ा लचीला रखा जा सकता है। ध्यातव्य है कि अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तुलना में पात्रता के लिए 60 प्रतिशत का स्कोर काफी ऊंचा माना जाता है। सवाल यह है कि यह बदलाव कैसे संभव है? सीटेट के नियमों में बदलाव का अधिकार पूर्णतः सी बी एस ई और एन सी टी ई यानी नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन के पास है। अगर सरकार को लगता है कि शिक्षकों की कमी है या पात्रता के मानक बहुत कड़े हैं, तो वे नीतिगत निर्णय ले सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में माननीय उच्चतम न्यायालय ने टेट उत्तीर्ण पर अपना फैसला दिया है इसलिए टीचर्स के लिए प्राप्तांक एक ही रखा जाए। यहां बतलाना मुनासिब है कि पूर्व में भी ओ बी सी, एस सी, एस टी वर्ग के विद्यार्थियों का चयन, शिक्षक हेतु आरक्षण के आधार पर ही हुआ है, फिर दोहरी व्यवस्था क्यों। इसलिए सभी शिक्षकों का न्यूनतम प्राप्तांक एक समान रखा जाए।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

# जेन-जी की कुर्बानी और बालेन की बल्ले-बल्ले

**नेपाल के लोगों की दैनिक जरूरतें भारत के जरिये ही पूरी होती हैं। इस निर्भरता की कोई भी सरकार अनदेखी नहीं कर सकती है। खासकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नेपाल में चीन के प्रभाव को कम करने में भारत इस नये अवसर का बेहतर उपयोग कर सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में यदि किसी तरह की महत्वाकांक्षाओं का टकराव ...**

नेपाल के हालिया आम चुनाव में कई इतिहास रचे गए। लोकतांत्रिक नेपाल में नया संविधान लागू होने के बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है, जिसका चेहरा बने हैं काठमांडू के मेयर बालेन शाह। अन्य बातें समान रही तो उनका प्रधानमंत्री बनना निश्चित माना जा रहा है। मेयर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन नेपाल के इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। भ्रष्ट और जोड़तोड़ की राजनीति से आजिज नेपाली युवाओं ने हिंसक प्रतिरोध करके बड़ी कुर्बानियां दी थीं। यही वजह है कि जब चुनाव हुए तो पहली बार सबसे ज्यादा युवा सांसद बने हैं जिसके चलते एक पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड को छोड़कर जनता ने सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को सदन से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। यह बात तो तय है कि युवा आकांक्षाओं के लिए हुए उग्र आंदोलन ने नेपाल की राजनीति की दशा–दिशा बदल दी है। बहरहाल, नेपाल में बदलाव की आंधी के बीच राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने कई मिथ तोड़े हैं। पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल करके भरोसा दिलाया है कि सरकार स्थायी रह सकेगी। जनता ने पार्टी पर पूरा भरोसा जताते हुए नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सीधे व समानुपाती पद्धति से सांसदों का बहुमत प्रदान किया है। हालांकि, बालेन शाह के सामने जनाकांक्षाओं का पहाड़ खड़ा है। खासकर युवाओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं। निस्संदेह, तीन साल पहले बनी बालेन की पार्टी की कामयाबी तिलस्मी है। लेकिन यह कह पाना कठिन है कि काठमांडू के मेयर का पद संभालने के बाद वे प्रधानमंत्री पद उसी

तरह सहजता से चला पाएंगे। निर्विवाद रूप से नेपाल की मुख्यधारा की राजनीति में बालेन बिल्कुल नये हैं। लेकिन उनकी युवा तुर्क वाली छवि नई पीढ़ी को लुभाती है। यही वजह है कि उनके मधेसी होना भी बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बना। यदि वे प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे इस पद पर पहुंचने वाले पहले मधेसी होंगे। भारत के नजरिये से सवाल यह महत्वपूर्ण है कि उनकी नीति भारत के प्रति कैसी रहती है। सवाल यह भी कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे परंपरा के अनुसार भारत आते हैं या चीन जाते हैं। माना जाता है कि बालेन शाह किसी विचारधारा के साथ राजनीति में नहीं आए हैं, लेकिन उनकी कार्यशैली व व्यवहार युवाओं को रिझाता है। फिलहाल कहना कठिन है कि वे भारत के और करीब आते हैं या चीन को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, वे अतीत में चीन के करीब माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के भारत के क्षेत्रों को नेपाल में दर्शाने वाले नक्शे का समर्थन करते नजर आए थे। वैसे सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन में बालेन शाह को लेकर व्यापक जानकारी उपलब्ध नहीं है, जिसकी वजह यह भी कि वे किसी आंदोलन की उपज नहीं हैं। उन्हें राजनीतिक बहसों में भी कम ही देखा गया है। हां, एक रैपर के रूप में उनके प्रशंसकों की लंबी फेहरिस्त रही है। तभी वे युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे हैं। कहा जा रहा है कि आरएसपी में प्रगतिशील व बौद्धिक वर्ग का अनुभव राजकाज चलाने में उनके लिए मददगार हो सकता है। जैसे वे नेपाल की राजनीति के दिग्गज व पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को उनके गढ़ में हराने में कामयाब हो गए। बहरहाल, नेपाल में बनने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सरकार के सामने युवा आकांक्षाओं का बड़ा पहाड़ होगा, जिनको पूरा कर पाना किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। खासकर लंबे समय से बेरोजगारी का दंश झेल रहे देश में पलायन का बड़ा संकट नयी सरकार के सामने होगा। यह अहसास बालेन शाह को भी होगा कि एक मेयर की तुलना में प्रधानमंत्री का पद संभालना कांटों का ताज पहनने जैसा होगा। भारत सरकार की पहली प्राथमिकता यही रहेगी कि नई सरकार से कैसे बेहतर संबंध बनाए जाएं। माना जा रहा है कि पार्टी का भारत के प्रति नजरिया सकारात्मक नजर आ रहा है। बेहतर होगा भारत की नीति युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप रहे। पिछले वर्षों में अग्निवीर योजना को लेकर नेपाल में नकारात्मक प्रतिसाद देखने में आया था। वैसे तो दुनिया के एकमात्र हिंदू बहुल देश से सदियों से रोटी–बेटी का रिश्ता रहा है। खासकर राजशाही के दौरान ये संबंध बेहद मधुर रहे हैं। कालांतर वामपंथी रुझान वाले दलों के चलते 'चीन नजदीक दिल्ली दूर' के नारे लगते रहे हैं। वैसे, नई पार्टी की सरकार बनने पर पार्टी की रीति–नीतियों को समझने में कुछ वक्त जरूर लग सकता है। वैसे भौगोलिक रूप से एक लैंडलॉक्ड देश होने के कारण नेपाल की जरूरतों को पूरा करने में भारत की भूमिका को कोई भी सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती है। नेपाल के लोगों की दैनिक जरूरतें भारत के जरिये ही पूरी होती हैं। इस निर्भरता की कोई भी सरकार अनदेखी नहीं कर सकती है। खासकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नेपाल में चीन के प्रभाव को कम करने में भारत इस नये अवसर का बेहतर उपयोग कर सकता है।

**समय के साथ वह व्यवस्था कमजोर पड़ गयी जो कभी आधिकारिक प्रोपगंडा को चुनौती देती था। बीसवीं सदी के ज्यादातर वक्त बड़े अखबारों ने मध्य–पूर्व में विदेशी रिपोर्टरों का नेटवर्क कायम कर रखा था। ये रिपोर्टर घूमते थे, गवाहों का इंटरव्यू लेते थे और एक–दूसरे के दावों की तुलना करते थे। वे जमीनी जानकारी के बूते आधिकारिक बयानों को चुनौती देने की स्थिति में थे। आज उनमें से ...**

# युद्ध में सच्चाई और नैरेटिव के बीच की धुंधली रेखा

सदा से युद्धों के दौरान सरकारें नैरेटिव गढ़ती रही हैं। लेकिन जब आधिकारिक संदेश व डिजिटली गढ़ी खबरें एक साथ हों, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो जाती है। सोशल मीडिया के दौर में युद्धक्षेत्र के दावे सत्यापन से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं। ईरान और इस्राइल के बीच आरंभिक झड़पों के कुछ ही घंटों में, नाटकीय वीडियो ऑनलाइन चलने लगीं, जिनमें दावा किया गया कि लड़ाकू जहाज मार गिराए और शहर मलबे में तब्दील हो गए। जल्द ही कई वीडियो मनगढ़ंत निकले। कुछ क्लिप तो वीडियो गेम्स फुटेज निकलीं। कुछ शायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनायी लगती हैं– ऐसी सामग्री जिसके पत्रकारों द्वारा सत्यापन से पूर्व ही दुनिया यकीन कर ले। ऐसे ही एक उदाहरण में, बहुत ज्यादा शेयर किए क्लिप में दावा किया गया कि एक अमेरिकी युद्धपोत ने ईरानी लड़ाकू जहाज मार गिराया है, बाद में शिनाख्त हुई कि यह तो वीडियो गेम 'वॉर थंडर' का फुटेज है। इस वीडियो को ऑनलाइन लाखों व्यूज मिले व 'फैक्ट–चेकर्स द्वारा गेम फुटेज साबित करने के बाद और इसे डिलीट करने से पूर्व ग्रेग एबॉट तक ने शेयर किया। समीक्षकों ने पाया कि फुटेज में दिखे हथियार दूसरे विश्वयुद्ध के वक्त के थे, जिससे यह क्लिप मनगढ़ंत निकली। यह घटनाक्रम वर्तमान दौर की युद्ध कवरेज में एक बड़ी समस्या पेश करता है। युद्ध के मैदान के शुरुआती दावे अक्सर सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, तथापि डिजिटल युग में पत्रकारों द्वारा सत्यापित करने से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं। लंदन के टॉक रेडियो

स्टेशन एलबीसी पर ईरान युद्ध पर चर्चा सुनते हुए, मैंने हाल ही में एक प्रस्तोता को यह अनुमान लगाते सुना कि ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स किसी प्रदर्शनकारी को मारने वाले को पुरस्कृत कर रहे हैं। कोई सबूत नहीं दिया गया, फिर भी यह बात खबर देने के अंदाज में कही गई। एक सदी से भी पूर्व, अमेरिकी सीनेटर हाइरम जॉनसन ने कहा था 'जब युद्ध होता है, तो सबसे पहली मौत सच की होती है'। वैसे ये कहावत पुरानी है, फिर भी मौजूदा संघर्ष संबंधी दावों की बाढ़ बताती है कि यह पूर्ववतघ्‌ प्रासंगिक है। हालांकि, सवाल है कि आज के दौर में अन्य युद्धों की तुलना में ईरान–इस्राइल संघर्ष की खबरें इतनी अलग–अलग सी क्यों हैं। यूक्रेन पर रूसी हमले के दौरान, पश्चिमी टीवी नेटवर्क और अखबारों ने अग्रिम मोर्चे पर पत्रकारों की टीमें तैनात की थीं। कीव, खार्किव और यहां तक युद्ध के मैदान से निरंतर रिपोर्टिंग ने पत्रकारों को सरकार द्वारा किए जा रहे दावों की असलियत परखने का मौका दिया। लेकिन, ईरान से जुड़ा संघर्ष बहुत अलग दिखता है। जहां ईरान में चंद पश्चिमी रिपोर्टर काम कर रहे हैं वहीं इस्राइली सैन्य सेंसरशिप युद्ध–विवरण की रिपोर्टिंग पर अंकुश लगा रही है। नतीजन, मिसाइल हमलों, हताहतों और सैन्य हानि बारे जो जानकारी ज्यादातर फैल रही है, वह रिपोर्टरों से नहीं, बल्कि सरकारों, सेना प्रवक्ताओं और सोशल–मीडिया पोस्टों के जरिए आती है। मध्य–पूर्व में भी, अल जजीरा जैसे क्षेत्रीय चौनल कई पश्चिमी समकक्षों के मुकाबले अब ज्यादा टिकाऊ कवरेज कर रहे हैं, विदेशी मीडिया के लोकल ब्यूरो पिछले दो दशकों में इस पूरे इलाके में लगातार सिकुड़े। नतीजन, यह ऐसा युद्ध है जिस पर चर्चा तो खूब हो रही, लेकिन हैरानी है कि खबरें देने वाली स्वतंत्र पत्रकारिता बहुत कम है। मिसाइल हमलों और हवाई हमले की चेतावनियों की रिपोर्टिंग पर गौर करें। ईरान–इस्राइल के बीच हालिया हमलों के दौरान, ऐसी खबरें चलीं जिनमें बताया गया कि यरुशलम में हवाई हमला चेतावनी सायरन बार–बार बज रहे हैं। अगर यह सच है, तो यह इस्राइल की हवाई–रक्षा प्रणाली में मिसाइलों की होती निरंतर घुसपैठ और शहर में बमबारी का स्तर दिखाता है, जो पहले शायद ही कभी देखा गया। फिर भी, वहां मौजूद रिपोर्टरों से लगातार सत्यापन मुश्किल बन गया है। मध्य इस्राइल में कुछ मिसाइल चेतावनियों की खबरें हैं। लेकिन यरुशलम में बार–बार अलर्ट सायरन बजने की खबर इलाके में मौजूद रिपोर्टरों से बहुत कम आई। हताहतों के आंकड़े भी ऐसी ही समस्या दिखाते हैं। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली हमलों में आम लोगों को भारी नुकसान हुआ। वहीं इस्राइली अधिकारी वरिष्ठ ईरानी कमांडरों के मारे जाने और मिलिट्री ठिकानों को नुकसान पर जोर देते हैं। हालांकि, स्वतंत्र सत्यापन बहुत कम है। ईरान ने युद्ध दौरान समय–समय पर इंटरनेट पर रोक लगाई, जबकि इस्राइली सरकार ने कुछ ऑपरेशंस के ब्यौरे पर सैन्य सेंसरशिप रखी। नतीजन, सुर्खियों में संख्या का स्रोत युद्धरत सरकारों का आंकड़ा ही है।

इतिहास सावधानी बरतने की सलाह देता है। 2003 के इराक युद्ध से पहले, पश्चिमी सरकारों ने कहा था कि सद्दाम हुसैन के पास तबाही मचाने वाले हथियारों के जखीरे हैं। दावा वैश्विक मीडिया में दोहराया गया और इसने मध्य–पूर्व से इतर, भारत जैसे देशों में भी राजनयिक विमर्श को आकार दिया था। हमले के बाद, कथित जखीरे कहीं दिखाई नहीं दिए। इससे भी पहले, 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान, टेलीविजन दर्शकों को 'स्मार्ट बमों द्वारा इराकी निशानों पर एकदम सटीक प्रहार करती नाटकीय फुटेज दिखाई गई थीं। बाद के विश्लेषणों ने दर्शाया कि इस्तेमाल हथियारों में बहुत कम संख्या प्रिसिजन–गाइडेड अस्त्रों की थी। यह नमूना जाना–पहचाना हैरू युद्ध में शुरुआती दावे सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, और डिजिटल युग में गलत सूचना कहीं ज्यादा तेजी से फैल रही है। सरकारें अपने नैरेटिव गढ़ती हैं। ईरानी सरकारी मीडिया मजबूती व सैन्य कामयाबी पर जोर देता है। वहीं, इस्राइली अधिकारी अपने प्रहारों की सटीकता व असर रेखांकित करते हैं। पश्चिमी नेता हमले निर्णायक बताते हैं, भले ही दीर्घकालीन रणनीतिक परिणाम पक्के न हों। ब्रिटिश प्रधानमंत्री, कीर स्टॉर्मर कुछ सैन्य कार्रवाइयों को 'रक्षात्मक प्रहार' बताते हैं।

# मोजतबा खामेनेई कोमा में, टांग काटनी पड़ी! ट्रंप बोले– शायद वो जिंदा है, नेतन्याहू का तंज– आतंकियों के लिए कोई जीवन बीमा नहीं है

पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां सत्ता, बदला और रणनीति तीनों एक साथ टकरा रहे हैं। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल होकर कोमा में चले गए हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में उन्हें भयंकर चोटें आईं, जिनमें उनका एक पैर काटना पड़ा है और पेट या यकृत को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेहरान के सिना विश्वविद्यालय अस्पताल में कड़ी सुरक्षा के बीच उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

अपने पिता और ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद जैसे ही सत्ता की विरासत मोजतबा खामेनेई के कंधों पर आई, उसके कुछ ही घंटों में उन पर घातक हमला हो गया। सत्ता संभालते ही उनके इस तरह गंभीर रूप से घायल हो जाने की घटना ने पूरे ईरान की सत्ता व्यवस्था और नेतृत्व की स्थिरता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। इस घटना ने ईरान के भीतर विश्वास और नियंत्रण की छवि को झकझोर दिया है और देश के राजनीतिक तथा सैन्य ढांचे में गहरी बेचौनी पैदा कर दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि मोजतबा खामेनेई शायद अभी किसी रूप में जिंदा हैं, लेकिन उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप के इस बयान ने इस पूरे घटनाक्रम को और भी रहस्यमय बना दिया है क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से कहीं दिखाई नहीं दिए हैं।

हालांकि घायल होने और कोमा की खबरों के बीच मोजतबा खामेनेई की ओर से जारी एक संदेश ने पूरे पश्चिम एशिया में तनाव को और भड़का दिया है। अपने पहले बयान में उन्होंने साफ कहा है कि ईरान हर उस व्यक्ति की मौत का बदला लेगा जो इस युद्ध में मारा गया है। उन्होंने कहा कि हर शहीद ईरानी एक अलग प्रतिशोध का मामला है और बदला पूरा होने तक ईरान की कार्रवाई जारी रहेगी। खामेनेई ने खास तौर पर नागरिकों की मौत का मुद्दा उठाया। उन्होंने मिनाब स्थित शजरा तय्यिबा स्कूल पर हमले का जिक्र करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों की मौत ने ईरान की प्रतिशोध नीति को और कठोर बना दिया है। ईरानी नेतृत्व इस घटना को युद्ध का सबसे प्रतीकात्मक अपराध बताकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है।

साथ ही खामेनेई ने ईरान की प्रतिरोध धुरी की भी खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने लेबनान के हिजबुल्लाह, यमन के हूती विद्रोहियों और इराक के प्रतिरोध समूहों को धन्यवाद देते हुए कहा कि ये सभी संगठन मिलकर इजराइली साजिश के खिलाफ क्षेत्रीय मोर्चा मजबूत कर रहे हैं। यह बयान इस बात का संकेत है कि युद्ध अब केवल ईरान और इजराइल तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे पश्चिम एशिया में फैल सकता है।

खामेनेई ने उन देशों को भी कड़ी चेतावनी दी है जहां अमेरिका के सैन्य अड्डे मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इन अड्डों का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमलों में किया गया है। उन्होंने क्षेत्रीय सरकारों से विदेशी सैन्य अड्डे बंद करने की अपील करते हुए साफ कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो इन ठिकानों को निशाना बनाया जाता रहेगा।

इसके साथ ही, ईरान की रणनीति का एक और बेहद खतरनाक पहलू भी सामने आया है। खामेनेई ने कहा है कि होरमुज जलडमरूमध्य को बंद करने का विकल्प लगातार इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हम आपको बता दें कि यह वही समुद्री मार्ग है जिससे दुनिया के तेल व्यापार का एक बहुत बड़ा हिस्सा गुजरता है। अगर ईरान इस मार्ग को बाधित करता है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार में भूचाल आ सकता है।

दूसरी ओर इजराइल ने भी बेहद आक्रामक रुख अपना लिया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ शब्दों में कहा है कि आतंकी संगठनों के नेताओं के लिए कोई जीवन बीमा नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि जरूरत पड़ी तो मोजतबा खामेनेई और हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम भी निशाने पर हो सकते हैं। नेतन्याहू का दावा है कि इजराइल और अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई बेहद सफल चल रही है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड और बसिज बलों को सड़क से लेकर चौकियों तक हर जगह करारी चोट पहुंचा रही है। उन्होंने ईरान की जनता से भी सीधे संवाद करते हुए कहा कि बदलाव का क्षण करीब है और ईरानी लोग यदि चाहें तो अपने देश के भविष्य की दिशा बदल सकते हैं।

नेतन्याहू ने यह भी बताया कि उनकी और डोनाल्ड ट्रंप की लगातार बातचीत हो रही है और दोनों नेता लगभग हर दिन रणनीतिक फैसले ले रहे हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि अमेरिका और इजराइल के गठबंधन की सुनियोजित सैन्य मुहिम बन चुका है।

साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व अत्यंत गंभीर है। यदि मोजतबा खामेनेई वास्तव में कोमा में हैं तो ईरान के नेतृत्व में भारी अस्थिरता पैदा हो सकती है। युद्ध के बीच नेतृत्व संकट किसी भी देश की सैन्य क्षमता को कमजोर कर देता है। लेकिन ईरान की व्यवस्था में प्रतिरोध नेटवर्क और सैन्य ढांचे की गहराई इतनी है कि नेतृत्व बदलने पर भी संघर्ष जारी रह सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू होरमुज जलडमरूमध्य है। यदि ईरान इसे अवरुद्ध करने की कोशिश करता है तो दुनिया के तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल मच सकती है। यह कदम पश्चिमी देशों पर आर्थिक दबाव बनाने का सबसे शक्तिशाली हथियार हो सकता है। तीसरा सामरिक आयाम प्रतिरोध धुरी का विस्तार है। हिजबुल्लाह, हूती और इराकी समूहों की सक्रियता का मतलब है कि यह युद्ध कई मोर्चों पर फैल सकता है। इससे इजराइल को उत्तरी सीमा से लेकर लाल सागर तक एक साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि यदि युद्ध लंबा खिंचता है तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा पड़ेगा। यही कारण है कि पश्चिम एशिया की यह जंग अब केवल दो या तीन देशों का संघर्ष नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक विस्फोटक रणनीतिक संकट बन चुकी है।

# ईरान ने मार गिराया अमेरिका का केसी 135 विमान, मिसाइल से बनाया गया निशाना?

मिडिल ईस्ट में जारी भीषण तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अमेरिका को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल अमेरिका का एक रिफ्यूलिंग विमान इराक के आसमान में क्रैश हो गया है। जिसे लेकर ईरान की तरफ से बड़ा दावा सामने आ रहा है। ईरान ने दावा किया है कि इराक में सक्रिय विद्रोही गुटों ने अमेरिका के एक शक्तिशाली सैन्य विमान को मार गिराया है। हालांकि ईरान के इन दावों को अमेरिका ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। लेकिन विमान के क्रैश होने की खबर को अमेरिका ने सच बताया है। दरअसल ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक पश्चिमी इराक में सक्रिय रेजिस्टेंस फ्रंट के लड़ाकों ने अमेरिका के एक ज्ञब135 स्टेटोस टैंकर रिफ्यूलिंग विमान को मिसाइल से निशाना बनाया है। ईरान ने दावा किया कि यह

विमान उस समय आसमान में उड़ रहा था और एक लड़ाकू विमान में हवा में ही ईंधन भर रहा था। इसी दौरान इस विमान पर एयर डिफेंस सिस्टम से टारगेट कर दिया गया। ईरान के रिवोलशनरी गार्ड कॉप्स यानी आईआरजीसी के जनसपर्क विभाग ने भी एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने बताया कि रजिस्टेंट फ्रंट की एयर डिफेंस यूनिट ने इस अमेरिकी विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया है। ईरान के इस दावे के सामने आने के बाद से पूरी दुनिया में चर्चा तेज हो गई। क्योंकि ज्ञब135 जैसे विमान अमेरिकी सेना के सबसे अहम रणनीतिक विमानों में से गिने जाते हैं। इनका काम हवा में उड़ते हुए फाइटर जेट्स और बॉम्बर्स विमानों को ईंधन उपलब्ध कराना होता है। जिसकी मदद से वह बिना लैंड किए लंबे समय तक मिशन पर बने रह सकते हैं। लेकिन दूसरी तरफ अमेरिका ने ईरान के इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंट कॉम ने पुष्टि की है कि उनका एक बोइंग ज्ञब135 रिफ्यूलिंग विमान इराक के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त जरूर हुआ है। लेकिन यह किसी मिसाइल या हमले की वजह से नहीं गिरा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक यह हादसा उस समय हुआ जब उनका बड़ा सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी चल रहा था।

आपको बता दें ऑपरेशन एपिक फ्यूरी वही ऑपरेशन है जो ईरान के खिलाफ अमेरिका ने शुरू किया है। सेना ने बताया कि इस मिशन में दो केसी 135 विमान उड़ान भर रहे थे और इनमें से एक विमान सुरक्षित तरीके से लैंड करने में कामयाब रहा। जबकि दूसरा विमान पश्चिम इराक के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेंट कॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि यह घटना मित्र देश के हवाई क्षेत्र में हुई है और इसमें किसी भी दुश्मन की गोलीबारी या मिसाइल हमले का कोई सबूत नहीं मिला है।

फिलहाल अमेरिकी सेना ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। साथ ही में घटना स्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया है। बचाव दल मलबे की जांच में जुटे हुए हैं और विमान में सवार क्रू मेंबर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अब तक की रिपोर्ट में यह सामने आया है कि उस विमान में पांच क्रू मेंबर मौजूद थे। अमेरिका ने तुरंत ही राहत बचाव के लिए अपने और कई विमान उस इलाके में भेज दिए हैं। यह घटना ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता हुआ जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वाकई इस अमेरिकी विमान को किसी मिसाइल से गिराया गया है या फिर यह मात्र एक दुर्घटना थी।

# काव्या मारन की फ्रेंचाइजी ने इस पाकिस्तानी खिलाड़ी को करोड़ों में खरीदा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

जहां आईपीएल में पाकिस्तान खिलाड़ियों पर बैन है वहीं, इंग्लैंड की लोकप्रिय टी20 लीग द हंड्रेड के हालिया प्लेयर ऑक्शन में कुछ ऐसा हुआ जिसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। दरअसल, भारतीय कारोबारी समूह सन ग्रुप की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाज अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल कर लिया है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर काफी चर्चा और विवाद देखने को मिल रहा है।

बता दें कि, सन ग्रुप की मालकिन काव्या मारन की मौजूदगी में हुए इस ऑक्शन में सनराइजर्स लीड्स ने अबरार अहमद के लिए जमकर बोली लगाई। रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने उन्हें 1 लाख 90 हजार पाउंड यानी करीब 2.34 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑक्शन के दौरान अबरार को लेने के लिए सनराइजर्स लीड्स और ट्रेंट रॉकेट्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आखिरकार सनराइजर्स लीड्स ने ज्यादा बोली लगाकर इस पाकिस्तानी स्पिनर को अपनी टीम में शामिल कर लिया है।

अबरार अहमद की ये डील इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि वह किसी भारतीय मालिक वाली फ्रेंचाइजी से जुड़ने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए हैं। बता दें कि, भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से राजनीतिक तनाव के कारण आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने 2009 के बाद से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को अपने साथ नहीं जोड़ा है। जिस कारण से माना जाता था कि भारतीय मालिक वाली टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को मौका नहीं मिलेगा।

लेकिन इस ऑक्शन में ये धारणा टूटती नजर आई। सन ग्रुप की टीम द्वारा अबरार अहमद को खरीदने के बाद अब सोशल मीडिया पर कई फैंस ने इस फैसले पर सवाल भी उठाए। कुछ लोगों ने इसे क्रिकेट के लिहाज से सही बताया, तो कुछ ने इसकी आलोचना भी की।

## अपनी जिंदगी और सुरक्षा का ध्यान.., डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी फुटबॉल टीम को चेताया

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि उन्हें नहीं लगाता कि ईरानी फुटबॉल टीम का इस साल अमेरिका की सह मेजबानी में होने वाले वर्ल्ड कप में शामिल होना सही होगा।

उन्होंने इसका कारण ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंता बताया। दोनों देश मौजूदा समय में युद्ध कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार को ईरान के खेल मंत्री ने कहा था कि ईरान फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर कहा कि, ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का वर्ल्ड कप में स्वागत है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि उनका यहां होना उनकी जान और सुरक्षा के लिए सही होगा। इससे पहले फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा था कि ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरानी खिलाड़ियों और कोच का स्वागत किया जाएगा। न्यूज एजेंसी एपी से व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर ईरान के हिस्सा लेने के बारे में इन्फेंटिनो को ट्रंप के संदेश की पुष्टि की। हालांकि, व्हाइट हाउस ने ये साफ नहीं किया है कि ट्रंप का अपनी जान और सुरक्षा से क्या मतलब है।

# पाकिस्तानी गेंदबाज को खरीदने पर घिरीं काव्या मारन, सनराइजर्स लीड्स टीम का एक्स अकाउंट सस्पेंड

द हंड्रेड की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स की मालकिन काव्या मारन की मुश्किल बढ़ गई है। दरअसल, सनराइजर्स लीड्स का एक्स अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। ऐसा इसलिए हुआ कि द हंड्रेड की नीलामी में काव्या मारन की टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ी अबरार अहमद पर सबसे महंगी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। इस फ्रेंचाइजी ने अबरार को खरीदने के लिए 2 करोड़ 34 लाख रुपये में खरीदा है।

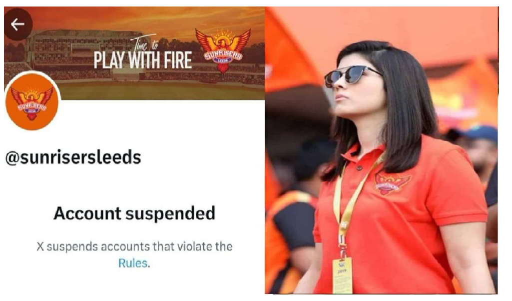


द हंड्रेड 2026 ऑक्शन का आयोजन लंदन में हुआ। जहां काव्या मारन के साथ टीम के हेड कोच डेनियल विटोरी भी मौजूद रहे। इस नीलामी में सनराइजर्स लीड्स ने ट्रेंट रॉकेट्स को पछाड़ते हुए अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल करने में सफलता हासिल की। सनराइजर्स लीड्स की कप्तानी इस सीजन में इंग्लैंड के टी20 कप्तान हैरी ब्रूक के हाथों में होगी। ऐसी घटना कई साल के बाद घटी जब किसी भारतीय फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी को शामिल किया। हालांकि, काव्या मारन द्वारा उठाए गए इस कदम के बाद भारत में उनकी जमकर आलोचना हो रही है और क्रिकेट फैंस आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का बॉयकॉट कर रहे हैं। वैसे सनराइजर्स लीड्स के एक्स अकाउंट को सस्पेंड क्यों किया गया इसकी सही जानकारी सामने नहीं आ पाई है। वहीं विवाद के बाद टीम के कोच डेनियल विटोरी ने इस पूरे मामले पर सफाई देते हुए कहा कि आदिल राशिद शुरू से हमारी पसंद थे, लेकिन वो हमारे हाथ से निकल गए तो हमने विदेशी स्पिनर की तरफ रुख किया। चार–पांच खिलाड़ी ऐसे थे जिन पर हमारी नजर थी और अबरार उनमें से एक थे उन्हें पाकर हम खुश हैं। विटोरी ने बताया कि मैनेजमेंट ने नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को न चुनने के बारे में कोई चर्चा नहीं की थी। उन्होंने कहा कि उनकी योजना सबसे अच्छी टीम चुनने की थी और जब वे आदिल राशिद को नहीं ले पाए तो उन्होंने अबरार को चुना।

# किरण जॉर्ज कड़े संघर्ष के बाद बाहर, थारुन मन्नेपल्ली अगले दौर में पहुंचे

बासेल। भारतीय शटलर किरण जॉर्ज बृहस्पतिवार को यहां

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टरफाइनल में हांगकांग के जेसन गुणावन से हारकर बाहर हो गए जबकि युवा थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंदी केंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई। जॉर्ज ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 70 मिनट तक चले राउंड 16 मैच में 18–21, 21–16, 16–21 से हार गए। भारत के हरिहरन अम्साकारुनन और एम आर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार गई। उन्हें चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग–वेई ने 32 मिनट में 17–21, 11–21 से हराया। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी का मुकाबला आज रात प्री क्वार्टर फाइनल मैच में जापान के हिरोकी ओकामुरा और क्योहेई यामाशिता की जोड़ी से होगा। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मन्नेपल्ली बुधवार की रात खेले गए इस मैच में तब 16–21 21–16 7–2 से आगे चल रहे थे, जब पांचवीं वरीयता प्राप्त निशिमोटो ने कंधे में दर्द के कारण मैच से हटने का फैसला किया। पिछले साल मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ थाईलैंड की विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से एकतरफा मुकाबले में 11–21, 15–21 से हार गईं। थाईलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ यह उनकी चौथी हार है।

# भारत–अमेरिका में बड़ी मिनरल डील की तैयारी, यूएस राजदूत सर्जियो गोर ने दिया संकेत

भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कॉन्क्लेव 2026 में कहा कि दोनों देश जल्द ही एक महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब हैं। यह घोषणा दोनों देशों द्वारा द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के ढांचे पर सहमति बनने के कुछ दिनों बाद हुई है। भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने वाले इस महत्वपूर्ण समझौते के प्रमुख रणनीतिक पहलुओं को रेखांकित करते हुए गोर ने कहा कि हमारे देशों के बीच सहयोग के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक महत्वपूर्ण खनिज हैं। महत्वपूर्ण खनिजों के लिए विश्वसनीय और विविध आपूर्ति श्रृंखलाएं आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए अपरिहार्य हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अमेरिका और भारत आज एक महत्वपूर्ण खनिज समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं, जो उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रणालियों और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से अपडेट रहने का आग्रह करते हुए कहा कि हमें इस संबंध में अगले कुछ महीनों में एक बड़ी घोषणा की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, भारत पहले से ही लगभग 300 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के उन उत्पादों का

आयात कर रहा है जिनमें अमेरिका वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी है। ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, विमान, इंजन और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। मंत्री ने पिछले महीने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते पर इस महीने हस्ताक्षर होने और अप्रैल में इसके लागू होने की संभावना है। नई दिल्ली और वाशिंगटन ने एक संयुक्त बयान जारी कर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा प्रस्तुत की थी। गोर ने अमेरिका और भारत के बीच संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये संबंध राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में लगातार महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश सरकारों, व्यापारिक समुदायों और मीडिया मंचों के माध्यम से एक–दूसरे पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा अमेरिका और भारत सरकारों, व्यापारिक समुदायों और यहां तक घ्घकि मीडिया के माध्यम से भी एक–दूसरे पर बारीकी से ध्यान दे रहे हैं। और यह ध्यान एक गहरे अर्थ को दर्शाता है – एक ऐसी साझेदारी जो हर साल मजबूत, अधिक स्पष्ट और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है।

# पयागपुर में पीएम किसान निधि कार्यक्रम का लाइव

## प्रसारण, 22वीं किस्त जारी होने पर किसानों में खुशी

दैनिक बुद्ध का संदेश

**पयागपुर/बहराइच।** विकासखंड पयागपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में प्रधानमंत्री

किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पयागपुर के विधायक सुभाष त्रिपाठी तथा प्रमुख प्रतिनिधि समय प्रसाद मिश्रा ने की। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र पयागपुर के कर्मचारियों ने मुख्य अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी का पुष्प गुच्छ भेंट कर व माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। लाइव प्रसारण के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी की गई। जैसे ही किसानों के खातों में किस्त जारी होने की घोषणा हुई, कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर खुशी का इजहार किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि विश्व की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (क्ठज) योजना है, जिसके माध्यम से देशभर के करोड़ों किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। किसानों ने कहा कि योजना के तहत मिलने वाली राशि से उन्हें खेती–किसानी के कार्यों में काफी मदद मिलती है। कार्यक्रम में किसानों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी।

# 'घरेलू गैस सिलेंडर के किल्लत और बुकिंग नम्बर पर बुकिंग न होने पर अधिवक्ताओं ने डीएम को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोन्डा जनपद में लगातार चलध रही घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत और बुकिंग संबंधी परेशानी से जहां आमजन परेशान हैं तो वहीं अधिवक्ताओं को भी इसकी परेशानी हो रही है इसी को लेकर गोन्डा जनपद के बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि चन्द्र त्रिपाठी ने अधिवक्तागण के बुकिंग गैस एवं रिफलिंग के लिये ज्ञापन में कहा कि गल्फ कंट्री (ईरान), इजराइल, अमेरिका के आपसी युद्ध के कारण कच्चे तेल व गैस की सप्लाई में आये व्यवधान का बेजा फायदा उठाते हुये समाज के कुछ असामाजिक तत्व गैस ऐजेन्सियों से सांठ–गांठ करके बुकिंग में परेशानी उत्पन्न करध रहे तथा घरेलू गैस की रिफिल का काला बाजारी कर रहे है,न तो समय पर गैस बुकिंग करते है और न ही गैस उपलब्ध कराते है।जिसके कारण आम

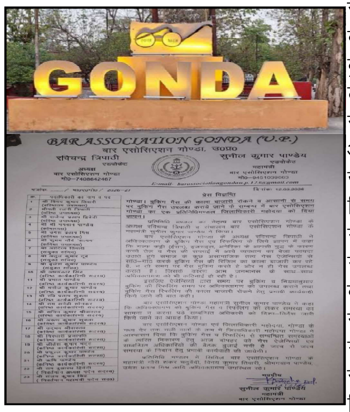

BAR ASSOCIATION GONDA (U.P.)
बार एसोसिएशन गोण्डा, उ0प्र0
रविन्द्र त्रिपाठी
एडवोकेट
अध्यक्ष
बार एसोसिएशन गोण्डा
मो0-7408642467
सुनील कुमार पाण्डेय
एडवोकेट
महामंत्री
बार एसोसिएशन गोण्डा
मो0-9451039663
प्रेस विज्ञप्ति

जनमानस के साथ–साथ अधिवक्तागण को भी कठिनाई हो रही है।इसलिए ऐजेन्सियों द्वारा समय पर बुकिंग व नियमानुसार बुकिंग कर रिफलिंग समय पर अधिवक्तागण को उपलब्ध कराने तथा बुकिंग गैस रिफलिंग की काला बाजारी रोकने हेतु प्रभावी कार्यवाही किये जाने की मांग करते हुए ज्ञापन दिया है।बार एसोसिएशन गोण्डा महामंत्री सुनील कुमार पाण्डेय ने कहा कि अधिवक्तागण को बुकिंग गैस व रिफलिंग को लेकर समस्या का सामना न करना पड़े सम्बन्धित अधिकारी को दिशा–निर्देश जारी किये जाने का आग्रह किया।बार एसोसिएशन गोण्डा एवं जिलाधिकारी गोण्डा के मध्य देर तक चली वार्ता के क्रम में जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि बुकिंग गैस व रिफलिंग से सम्बन्धित समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आज दोपहर को गैस ऐजेन्सियों एवं सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक बुलाई गयी है जल्द से जल्द समस्या के निदान हेतु प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।प्रतिनिधि मण्डल में सिविल बार एसोसिएशन गोण्डा के महामंत्री गौरी शंकर चतुर्वेदी, भगवान पाण्डेय, उमेश प्रताप मिश्र आदि अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

# चैत्र नवरात्रि मेले की तैयारियों का अपर निदेशक ने लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बलरामपुर।** आगामी चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आदिशक्ति माँ पटेश्वरी देवीपाटन मंदिर में आयोजित होने वाले मेले के दृष्टिगत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लेने के

लिए अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देवीपाटन मंडल गोंडा डॉ कल्पना रानी गुप्ता ने तुलसीपुर क्षेत्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए जाने वाले स्वास्थ्य शिविरों, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, दवा उपलब्धता एवं चिकित्सकीय टीमों की तैनाती की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत उपचार सुनिश्चित हो सके। इसके उपरांत अपर निदेशक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं तथा साफ–सफाई की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव भी उनके साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

# पेट्रोलियम पदार्थों के व्यवस्थापन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोन्डा जनपद के जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन

की अध्यक्षता में पेट्रोलियम पदार्थों के व्यवस्थापन एवं सुचारु वितरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ–साथ गैस एजेंसियों एवं पेट्रोल पंप संचालकों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।बैठक का उद्देश्य जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा उनके वितरण में पारदर्शिता बनाए रखना था।डीएम ने सभी संबंधित एजेंसियों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों के वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग) किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी गैस एजेंसी द्वारा गलत तरीके से गैस वितरण या कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी गैस एजेंसियों के कनेक्शनों का विवरण तथा गैस बुकिंग से संबंधित सभी आवश्यक डिटेल्स तत्काल उपलब्ध कराई जाएं,जिससे वितरण प्रणाली की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सभी एजेंसियां निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुसार ही कार्य करें तथा उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।पेट्रोल पंप संचालकों के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है।इस संबंध में जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पेट्रोलियम पदार्थों का संग्रहण न करें।डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखी जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि प्रशासन जनपद में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक के दौरान अधिकारीगण और जिला पूर्ति अधिकारी सहित सभी एजेंसियों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

# डीएम के द्वारा 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता धनराशि मृतक होमगार्ड के परिजन को बैंक ने दिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोन्डा जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन

की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मृतक होमगार्ड स्वर्गीय जगजीवन राम यादव के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह सहायता एक्सिस बैंक द्वारा संचालित सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत मृत्यु उपरांत नॉमिनी परिजन को दी गई।कार्यक्रम में बैंक की ओर से स्वर्गीय जगजीवन राम यादव के नामित परिजन को 30 लाख रुपये की धनराशि का चेक प्रदान किया गया।डीएम गोन्डा प्रियंका निरंजन ने इस अवसर पर कहा कि होमगार्ड जवान समाज और प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।वे कानून–व्यवस्था बनाए रखने, आपदा प्रबंधन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में हमेशा तत्पर रहते हैं। ऐसे में उनके आकस्मिक निधन की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक संबल मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने एक्सिस बैंक द्वारा दी गई इस सहायता को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे परिवार को कठिन समय में सहारा मिलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करना था, बल्कि यह संदेश देना भी था कि प्रशासन और संस्थाएं अपने कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी हैं। कार्यक्रम में परिजनों ने प्रशासन और बैंक का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कमांडेंट होमगार्ड शिवेंद्र प्रताप सिंह,एक्सिस बैंक के क्लस्टर हेड, ब्रांच हेड तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# जिला सलाहकार समिति की बैठक 16 मार्च को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अग्रणी जिला प्रबन्धक ने अवगत कराया है कि समीक्षाधीन त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2025 की जिला स्तरीय समीक्षा समिति/जिला सलाहकार समिति की बैठक 16 मार्च, 2026 को मध्यान्ह 12.00 बजे से जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी है। उन्होंने बैठक में समस्त सदस्यगण, जिला स्तरीय समीक्षा समिति/जिला सलाहकार समिति को ससमय उपस्थिति के लिए अपील की है।

# अलविदा की नमाज के दृष्टिगत शहर क्षेत्र में एसपी ने भ्रमणकर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायज

दैनिक बुद्ध का संदेश

**गोन्डा।** गोन्डा जनपद में शुक्रवार को अलविदा की नमाज को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत एसपी विनीत जायसवाल द्वारा शहर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा शहर क्षेत्र की प्रमुख मस्जिदों,नमाज स्थलों तथा भीड़ भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता एवं सजगता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन,पार्किंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा कानून–व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए।एसपी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अलविदा की नमाज के अवसर पर सभी संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा सतत गश्त की जाए।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा किसी भी सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाए।एसपी ने द्वारा सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि किसी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाह फैलने की स्थिति में तत्काल उसका खंडन किया जा सके और कानून–व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न होने पाए।पुलिस अधीक्षक द्वारा स्थानीय लोगों, धर्मगुरुओं एवं आयोजकों से संवाद स्थापित कर आपसी समन्वय बनाए रखने तथा नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में सहयोग की अपील की गई।जनपद पुलिस द्वारा अलविदा की नमाज के दृष्टिगत व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे को बनाए रखते हुए पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पुलिस को सूचना दें।

# आर्य समाज मंदिर इकौना में 14 से 16 मार्च तक भव्य वार्षिकोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

इकौना/श्रावस्ती। आर्य समाज मंदिर, इकौना में 14, 15 व 16 मार्च 2026 को भव्य वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में वृहद यज्ञ, भजन, प्रवचन तथा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य रूप से वैदिक प्रवक्ता स्वामी वेद अमृतानंद सरस्वती (लखनऊ), भजनोंपदेशक पं. भानु प्रकाश शास्त्री (बरेली) तथा भजनोंपदेशिका श्रीमती अलका आर्या (नोएडा) सहित अन्य विद्वान अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। आयोजन के दौरान प्रतिदिन प्रातः सुबह 8 बजे से 11 बजे तक यज्ञ, भजन एवं प्रवचन का कार्यक्रम होगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक भजन, प्रवचन एवं विभिन्न सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। वहीं सायं 6रू30 बजे से 10रू30 बजे तक भजन एवं प्रवचन का विशेष कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम के माध्यम से महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती वर्ष को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाएगा। आर्य समाज मंदिर के प्रधान चन्द्रकेतु आर्य ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने इष्ट–मित्रों व परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाएं। इस आयोजन में .ष्ण कुमार आर्य (मंत्री), राम कुंवर आर्य, दिनेश जायसवाल (उप प्रधान), अनिल कुमार नैयर, हरिओम आर्य (संयोजक), संजय आर्य, सुभाष चन्द्र आर्य (कोषाध्यक्ष) सहित आर्य समाज मंदिर के सभी सदस्य सहयोग कर रहे।

# पेट्रोलियम पदार्थों के व्यवस्थापन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में पेट्रोलियम पदार्थों के व्यवस्थापन एवं सुचारु वितरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ–साथ गैस एजेंसियों एवं पेट्रोल पंप संचालकों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।बैठक का उद्देश्य जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा उनके वितरण में पारदर्शिता बनाए रखना था।डीएम श्रीमती ने सभी संबंधित एजेंसियों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों के वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)

किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी गैस एजेंसी द्वारा गलत तरीके से गैस वितरण या कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी गैस एजेंसियों के कनेक्शनों का विवरण तथा गैस बुकिंग से संबंधित सभी आवश्यक डिटेल्स तत्काल उपलब्ध कराई जाएं,जिससे वितरण प्रणाली की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सभी एजेंसियां निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुसार ही कार्य करें तथा उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।पेट्रोल पंप संचालकों के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है।इस संबंध में जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पेट्रोलियम पदार्थों का संग्रहण न करें।डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखी जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि प्रशासन जनपद में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।बैठक के दौरान अधिकारीगण और जिला पूर्ति अधिकारी सहित सभी एजेंसियों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

# पंखुड़ी त्रिपाठी ने जीता जूनियर बालिका एकल बैडमिंटन का खिताब

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। लखनऊ,खेल निदेशालय की तरफ से आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पचपेड़वा की पंखुड़ी त्रिपाठी नेजूनियर बालिका एकल बैडमिंटन का खिताब जीता। उनके पिता संजय त्रिपाठी एवं माता रेखा त्रिपाठी पेशे से शिक्षक हैं। कक्षा 6 की छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी इस समय बाबू बनारसी दास बैडमिंटन एकेडमी लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।पंखुड़ी पाठक के खिताब जीतने से उनके माता पिता और शुभचिंतको ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया है।

# वी.बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेटों ने मुख्यमंत्री, विधायकों को सौंपा 4 सूत्रीय ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को मनरेगा महिला मेटों ने अधिकारों को लेकर सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक दूधराम, कविन्द्र चौधरी अतुल के साथ ही जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सामाजिक कार्यकर्ता रवि

प्रकाश के नेतृत्व में 4 सूत्रीय ज्ञापन सौपा। मांग किया कि वी.बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेट को प्रति माह सम्मानजनक वेतन दिया जाय। ज्ञापन में बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेट को प्रति माह वेतन दिये जाने, प्रदेश के सभी ग्राम पंचायत के सार्वजनिक कार्यों में 365 दिन कार्य सुनिश्चित किये जाने, मनरेगा श्रमिक डिमांड पत्र में मनरेगा मेट हस्ताक्षर अनिवार्य किये जाने और 20 श्रमिको का लगा प्रतिबन्ध हटाये जाने, एक्टिव मनरेगा मेट को मोबाईल, एवं सिम कार्ड अनलिमिटेड डाटा प्रदान दिये जाने जिससे हाजरी भरने में परेशानिया न हो आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन देने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता रवि प्रकाश ने कहा कि वी.बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेट घोर उपेक्षा के शिकार हैं। इन्हें पर्याप्त अवसर और अधिकार दिये जाय। ज्ञापन देने के दौरान सत्यभामा, मीरा देवी, इसरावती, सरोज शर्मा, निर्मला देवी, सुमन, वंदना, गीता वर्मा, रीना वर्मा, रेखा देवी, सत्यवती, निर्मला, रीता देवी आदि शामिल रहे।

# उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ0 बबीता सिंह चौहान व महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार में उत्ष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण में उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष ने परंपरागत रीति–रिवाजों के तहत अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम में रस्म अदायगी की और उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को आशीर्वाद दिया। महिला आयोग की सदस्य ने जिला संयुक्त चिकित्सालय में कन्या जन्मोत्सव के कार्यक्रम में भी प्रतिभाग की। इसके उपरांत उन्होंने जनपद के अधिकारियों के साथ महिला कल्याण से संबंधित संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की, समीक्षा के दौरान उन्होंने महिला कल्याण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि कन्या सुमंगला योजना, महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाए जिससे अधिक से अधिक लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक के दौरान उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशाखा

कमेटी का गठन सुनिश्चित किया जाए तथा उसकी नियमित बैठकें आयोजित की जाएं, जिससे कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित हो सके, समाज कल्याण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एवं अभ्युदय कोचिंग योजना का भी व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए बैठक में स्वास्थ्य विभाग को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने और पात्र लाभार्थियों को इसका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में सुलभ शौचालयों का निर्माण कराया जाए तथा उनके नियमित उपयोग और साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान अध्यक्ष ने महिला उत्पीड़न से संबंधित प्राप्त मामलों की सुनवाई भी की। उन्होंने पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से जुड़ी शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए उन्होंने कहा कि महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिया जाये तथा महिला उत्पीड़न की रोक थाम व महिलाओं को त्वरित लाभ दिलाये जाने के उद्देश्य से महिला जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। उन्होंने जनपद में महिला अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी द्वारा आंगनबाड़ी के सशक्तिकरण एवं सु.ढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की विशेष प्रशंसा की। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, सी0ओ0 चारू द्विवेदी, प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, सहित सम्बन्धित अधिकारीगण जन प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

## ग्रासिम इंडस्ट्रीज में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का भव्य समापन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट/सोनभद्र। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, केमिकल डिवीजन में 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रमुख नियमों, सुरक्षित कार्य पद्धतियों तथा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इकाई प्रमुख मनीष गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि सुरक्षा के मार्ग पर संस्थान के सभी विभाग आपसी सहभागिता और समन्वय के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्लांट के मुख्य द्वार पर स्थापित की गई सेटी गैलरी सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की

दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी घटना के बाद सुधारात्मक कार्यवाही करना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि हम अपने कार्यों में निवारक कार्यवाही की संस्.ति को विकसित करें। यदि प्रत्येक कर्मचारी इस सोच को अपनाता है, तो संस्थान निश्चित रूप से शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। समारोह के दौरान इकाई प्रमुख तथा सभी फंक्शनल हेड्स द्वारा सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जुगराज सिंह, हेड . संरक्षा विभाग एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर टेक्निकल हेड राजन पाठक , एच आर हेड राजीव दुबे , पावर प्लांट हेड विवेक गुप्ता, अधिराज मोहन राय, मनीष जैन, प्रेम चन्द्र मौर्य सहित सभी विभागाध्यक्ष, सेक्शन हेड तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

## अधिवक्ता संघर्ष समिति ने मागों को लेकर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा तहसील परिसर में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अधिवक्ताओं ने संघर्ष समिति के बैनर तले शुक्रवार को तहसील प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी किया। इस दौरान अधिवक्ता संघर्ष समिति ने दस मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी को नामित एक ज्ञापन स्टेनो को सौंपा। वहीं अधिवक्ताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों पर सरकारी कार्यों में लापरवाही करने और भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया। अधिवक्ता संघर्ष समिति तहसील ओबरा के बैनर तले दर्जनों अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए विरोध जताया । इस दौरान आंदोलन कारियों ने बताया कि ओबरा तहसील में इन दिनों भ्रष्टाचार चरम पर हो गया है। कई फाइलें काफी समय से लंबित पड़ी हैं। इनकी मांगों

में प्रमुख रूप से न्यायालय में दाखिल खारिज की प्रक्रिया को सहज एवं सरल बनाया जाए, अधिवक्तागण व वादकारीगण को सुलभ व सरल न्याय दिलाया जाए, कार्यालय में परवाना को आर 6 रजिस्टर व कंप्यूटर.त करने का समय क्रमवार निर्धारित किया जाए, आर के कार्यालय में व्यापक भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए, अधिवक्तागण व वादकारियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था तत्काल किया जाए, उप निबंधन कार्यालय ओबरा व आपूर्ति कार्यालय ओबरा को तत्काल तहसील परिसर ओबरा में स्थापित किया जाए, उप निबंधन कार्यालय में व्यापक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाए, तहसील परिषद ओबरा में निर्मित कैंटीन वह फोटो स्टेट की दुकानों का तत्काल टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कराया जाए आदि मांगे रही। वहीं अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सुनवाई नहीं हुई, तो आगामी सात दिनों बाद अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट उमेश चन्द शुक्ला ने किया। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से संजीत चौबे, बी एन जायसवाल, सतीश पाण्डेय, अनिल मिश्रा,कपूर चंद पांडेय,संजय दुबे ,सुशील कुमार शर्मा ,विमलेश,मनीष मिश्रा, कमवीर ,अमित उपाध्याय व कौशल पाण्डेय, अनुज त्रिपाठी, सुशील पाण्डेय, नागेश्वर पाण्डेय आदि दर्जनोंअधिवक्ता मौजूद रहे।

## जनपद के कोषागारों में ई–पेमेन्ट लागू होने के फलस्वरूप आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2013–14 से समस्त भुगतान ई–पेमेन्ट के माध्यम से किया जा रहा है, ई–पेमेन्ट में अपनायी जाने वाली प्रक्रिया के सम्बन्ध में समय–समय पर शासनादेश निर्गत होते रहे है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्राप्त बजट के सापेक्ष ससमय भुगतान में अपनायी जाने वाली प्रक्रिया एवं देयकों के सूचारू रूप से निस्तारण हेतु निम्न अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये, समस्त आहरण वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागारों में समस्त बिल विलम्बतम् 25 मार्च, 2026 तक अवश्य प्रस्तुत कर दिये जायें। कोषागार द्वारा दिनांक 25 मार्च 2026 तक प्राप्त हुए बिलों की आवश्यक चेकिंग के बाद बिलों की पासिंग तथा ई–पेमेन्ट के माध्यम से 31 मार्च 2025 तक भुगतान हेतु अथराइजेशन किया जा सके, क्योंकि दिनांक 31 मार्च 2026 तक पारित बिलों का भुगतान ई–पेमेन्ट द्वारा दिनांक 31 मार्च 2026 को रात्रि 17:00 बजे तक ही भुगतान किया जा सकेगा। वित्तीय वर्ष के अन्तिम माह में प्रस्तुत देयकों को सम्बन्धित कार्यालय/आहरण वितरण अधिकारी द्वारा नियमानुसार तैयार कर वांछित स्वी.ति आदेश आदि प्रपत्र के साथ भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जाय, जिससे देयकों के निस्तारण में कोई व्यवधान या विलम्ब न हो। उक्त का अनुपालन न करने तथा सामयिक आहरण के अभाव में किसी धनराशि के व्यपगत हो जाने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

## अगलगी की घटना से पीड़ित दुकानदार से सदर विधायक ने मिलकर सहयोग का दिया भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला नगर क्षेत्र के बाजार स्थित एक दुकान में मंगलवार की सुबह भीषण अगलगी की घटना से पूरा सामान जल जाने की जानकारी होने के बाद गुरुवार की देर रात घटनास्थल पर पहुंचे सदर विधायक भूपेश चौबे ने मौका मुआयना कर नुकसान का जायजा लेकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पीड़ित व्यापारी बिंदु केशरी पुत्र प्रेम केशरी ने उन्हें अवगत कराया कि विद्युत शार्ट सर्किट होने से आग लग गई आग की लपटें इतनी तेज थी की दुकान में रखा लाखों का समान और सभी कागजात पूरी तरह जल गए हमारे पास जीविका का एक मात्र साधन दुकान ही है जिससे पूरे परिवार का भरण पोषण होता था। सदर विधायक ने प्रभावित दुकानदार से बात कर सांत्वना दी और प्रशासनिक मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान वनवासी कल्याण आश्रम उत्तरखंड नैनीताल के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद,डाला मंडल अध्यक्ष संदीप सिंह मोनू , व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन , भाजयुमो उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह, व्यापारी संतोष अग्रहरि, नीरज पाठक, दिनेश जैन, बल्ले अग्रहरि, अभय सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

## विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत फार्मों की सुपर चेकिंग के सम्बन्ध में मंडलायुक्त विन्ध्याचल ने की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मंडलायुक्त विन्ध्यांचल/ रोल ऑब्जर्वर श्री राजेश प्रकाश द्वारा तहसील रॉबर्ट्सगंज, ओबरा एवं दुद्धी के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ बैठक कर मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान फार्मों की सुपर चेकिंग के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा बीएलओ को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से फॉर्म–6 से संबंधित मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। मंडलायुक्त ने बताया कि कई स्थानों पर प्रस्तर फॉर्म–6 के अंतर्गत अपलोड किए गए आवेदनों को निरस्त किए जाने

की स्थिति सामने आई है इस सम्बन्ध में निर्देश दिये कि बिना पर्याप्त कारण के किसी भी आवेदन को निरस्त न किया जाए उन्होंने कहा कि मतदाताओं द्वारा किए गए संशोधन, स्थानांतरण अथवा अन्य आवश्यक परिवर्तनों से संबंधित आवेदनों का निष्पक्षता और गंभीरता के साथ परीक्षण किया जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।साथ ही संबंधित तहसीलों के बी0आर0सी0 को निर्देशित किया गया कि फॉर्म–6 के लंबित प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न करें, जिससे मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध एवं त्रुटिरहित तरीके से पूरा हो सके। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन बद्रीनाथ सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी लंबित आवेदनों का समय से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपस्थित उप जिला निर्वाचन वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश कुमार, उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान एवं आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा द्वारा सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान मा. अध्यक्ष द्वारा प्राप्त प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि महिलाओं से जुड़ी शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न के मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं

की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राज्य महिला आयोग द्वारा समय–समय पर महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके तथा उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्.ष्ट कार्य करने वाली महिलाओ व महिला आरक्षियों को मा. अध्यक्ष एवं सदस्य द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हे0का0 किरन यादव, म0का0 दीपा, म0का0 उमावती, म0का0 अंजली सरोज तथा म0का0 अर्चना को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, क्षेत्राधिकारी डॉ. चारु द्विवेदी, एएचटी थाना प्रभारी, महिला थाना रॉबर्ट्सगंज, महिला थाना दुद्धी, महिला सहायता प्रकोष्ठ के अधिकारी/कर्मचारीगण सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

## दुद्धी नगर में दो स्थानों पर अदा की गई अलविदा जुमा की नमाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी कस्बे में रमजान–उल–मुबारक मुकद्दस माह के आखिरी शुक्रवार की नमाज जमात–उल–विदा (अलविदा) के रूप में शुक्रवार को पूरे अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। अलविदा जुमा की खास नमाज नगर के जामा मस्जिद के अलावा मकतब जब्बरिया जूनियर हाईस्कूल परिसर में पढ़ी गई। कस्बे के जामा मस्जिद में 12.30 पर अज़ान दिया गया और एक बजे हाफिज महमूद साहब की सदारत में अक़ीदमंदों ने नमाज अदा की। दूसरी नमाज मकतब जब्बरिया जूनियर हाईस्कूल में 1 बजे अजान व 1.30 पर हाफिज तौहीद साहब की इमामत में मुस्लिम बंधुओं ने अदा की। अलविदा नमाज में ही हाफिज तौहीद साहब द्वारा ईद–उल–फितर पहली नमाज मकतब जब्बरिया ईदगाह में सुबह 8 बजे, दूसरी नमाज जामा मस्जिद में 8.30 बजे व तीसरी नमाज कादरिया गर्ल्स कॉलेज में 9 बजे पढ़ाए जाने का एलान किया। वहीं नमाज अता करने के दौरान सुरक्षा की .ष्टिगत पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार राय एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर मुस्तैद रहे।

## विद्युत व्यवस्था सम्बन्धित जॉच समिति का आगमन आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था सम्बन्धित जॉच समिति सभापति अंगद कुमार सिंह के नेतृत्व में आज जनपद में आगमन होगा, समिति द्वारा अनपरा व ओबरा में स्थलीय निरीक्षण करेंगी व दिनांक 15 मार्च को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी, इसके पश्चात अपने गनतव्य स्थल के लिए समिति प्रस्थान करेंगी।

## ओटीएस उपभोक्ताओं को राहत, भुगतान की अंतिम तिथि बढ़ी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी क्षेत्र के चौना बैन सागोबांध आसनडीह परसाटोला चौनपुर घघरा बरवें बकुलियां आदि गांवों को बिजली बिल राहत योजना (व्ट) के तहत पंजी.त उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। इन उपभोक्ताओं को अपने बकाया बिजली बिल का अंतिम भुगतान करने के लिए अब 31 मार्च 2026 तक का समय मिलेगा। विद्युत विभाग के एसडीओ शिवम गुप्ता ने सभी पंजी.त उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे अपनी बकाया विद्युत बिल राशि तत्काल जमा करा दें। यह विस्तार उन सभी उपभोक्ताओं के लिए है जिन्होंने योजना के तहत अपना पंजीकरण कराया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि उपभोक्ता इस विस्तारित अवधि में भी बकाया राशि जमा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें बिजली के खंभे से कनेक्शन विच्छेद करना, राजस्व वसूली प्रमाणपत्र (त्ब्) भेजना और बकाया राशि जमा न करने पर प्राथमिकी (थ्प्त्) दर्ज कराना शामिल है। इन सभी कानूनी कार्रवाइयों से बचने के लिए, उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे अपनी बकाया धनराशि बिना किसी देरी के जमा कर दें। यह योजना उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, और समय पर भुगतान करके वे इसका लाभ उठा सकते हैं।

## दो बाइकों की टक्कर में एक महिला समेत चार घायल,दो रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर बभनी थाना क्षेत्र के नधीरा–बकरीहवां मार्ग पर नधीरा विद्युत सबस्टेशन के पास गुरुवार की देर शाम करीब सात बजे दो बाइकों की टक्कर में एक महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को निजी वाहन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल को रेफर कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर डूमा निवासी अशोक 25 वर्ष पुत्र दिग्विजय व रमेश विश्वकर्मा 40 वर्ष पुत्र अंगद बीजपुर से काम करके बाइक द्वारा वापस अपने घर डूमा जा रहे थे।वे नधीरा के विद्युत सबस्टेशन के पास पहुंचे ही थे आगे जा रहे बाइक सवार ने अचानक बिना इंडिकेटर दिए बाइक मुड़ा दिया जिससे पीछे से बाइक सवार की टक्कर हो गयी।आगे बाइक पर पिंडारी से छठी के कार्यक्रम से वापस घर लौट रहे बभनी थाना क्षेत्र के हथियार गांव निवासी बाइक सवार युवक श्यामलाल 30 वर्ष पुत्र राजबहादुर साथ में बाइक पर बैठी भाभी पानपति पत्नी रविंद्र सवार थे।हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गये।इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। घायलों को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर में भर्ती कराया गया जहां उपस्थित चिकित्सक डा० धर्मराज मौर्या ने प्राथमिक उपचार के बाद रमेश विश्वकर्मा की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।शेष घायलों का इलाज सीएचसी में जारी था।

## कलश यात्रा कें साथ नव दिवसीय रूद्र महायज्ञ शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर कें कोटा बस्ती परसवार चौबे मे शुक्रवार कों कलश यात्रा कें साथ नव दिवसीय रूद्र महायज्ञ व राम कथा का शुभारम्भ किया गया। यज्ञाचार्ज वृंदावन धाम से आए देवेश .ष्ण व यजमान रामनरेश चौबे द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन मंत्रोचारण कें बीच सर पर कलश लेकर सैकड़ों महिलाओं ने परसवारचौबे कोटा से

बोटपॉइंट तक पैदल यात्रा किया। डीजे व बैंड बाजे कें धुन पर भक्त थिरकते रहे। भक्ति धुन से क्षेत्र भक्तिमय हों गया।यात्रा कें दौरान ध्वज व पीला वस्त्र पहनकर कतारबद्ध श्रद्धालु कोटा बोट पॉइंट पहुंचकर कलश मे जल लेकर पुनः परसवार चौबे कोटा बस्ती यज्ञशाला मे स्थापित किया। समिति कें आशिष चौबे ने बताया की रूद्र महायज्ञ आगामी 21 मार्च तक चलेगा। जिसमे प्रतिदिन राम कथा कें विभिन्न चरित का व्याख्यान देवेश .ष्ण द्वारा किया जाएगा।कलश यात्रा कें दौरान सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

# पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह का तीसरा दमदार गाना कॉलर ए एत्थारा आउट, 19 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

उस्ताद भगत सिंह को लेकर क्रेज नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है, और हर गाने और टीजर को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। उत्साह को और भी बढ़ाने के लिए, टीम ने अब तीसरा सिंगल कॉलर

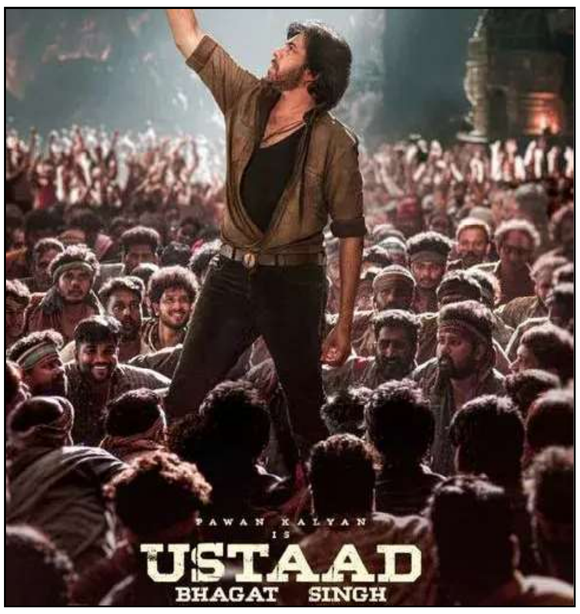


ए एत्थारा लॉन्च कर दिया है, जिससे चर्चा और भी तेज हो गई है। भव्य पैमाने पर निर्मित यह गाना अपने विशाल सेट, जीवंत दृश्यों और पर्दे पर जबरदस्त ऊर्जा के साथ बेहद शानदार दिखता है। पवन कल्याण इस गाने में बेहद प्रभावशाली लग रहे हैं, अपने खास अंदाज, ऊर्जा और डांस मूव्स से स्क्रीन पर चार चांद लगा रहे हैं।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद की धड़कती धुनें, राम मिरयाला की ऊर्जावान आवाज और कासरला श्याम द्वारा लिखे गए शक्तिशाली बोल मिलकर एक ऐसा गीत बनाते हैं जो फिल्म की व्यापक लोकप्रियता को पूरी तरह से दर्शाता है।

टीम 14 मार्च को ट्रेलर जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसके बाद 15 मार्च को एक भव्य प्री–रिलीज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

निर्देशक हरीश शंकर उस्ताद भगत सिंह को दर्शकों के लिए एक यादगार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

उस्ताद भगत सिंह का निर्माण नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर द्वारा मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले प्रतिष्ठित ढंग से किया जा रहा है और यह फिल्म 19 मार्च को भव्य रूप से रिलीज होने वाली है।

# रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की ओटीटी रिलीज से उठा पर्दा, 27 मार्च से नेटफ्लिक्स पर दहाड़ेंगी शिवानी शिवाजी राय

रानी मुखर्जी की पावर–पैक परफॉर्मेंस वाली फिल्म मर्दानी 3 सिनेमाघरों में बजट निकालने के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है। 30 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर कड़े मुकाबले का सामना किया, लेकिन इसके बावजूद यह फिल्म अपनी थिएटर में मजबूती से टिकी रही। अब रिलीज के लगभग दो महीने बाद प्रशंसक इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

यशराज फिल्म्स की इस क्राइम थ्रिलर का नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना तय हो चुका है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक किसी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 27 मार्च को ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। हालांकि इस संबंध में वाईआरएफ की ओर से पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन डिजिटल प्रीमियर को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो मर्दानी 3 ने बॉक्स ऑफिस पर एक ठीक–ठाक सफर तय किया है। फिल्म कमाई के मामले में खासा कमाल नहीं कर सकी, लेकिन क्रिटिक्स ने काफी तारीफें कीं। फिल्म ने अपने थिएटर रन के 41वें दिन तक करीब 50.78 करोड़ रुपये का नेट और 60.25 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। इसके बजट पर गौर करें तो ये 60 करोड़ के करीब था। एक महिला प्रधान एक्शन फिल्म के लिए खासकर कड़े कॉम्पिटिशन के बीच इतनी कमाई भी कर पाना सम्मानजनक है। दुनिया भर में कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो ये 75 करोड़ रुपये है।

मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में रानी मुखर्जी एक बार फिर सीनियर कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के दमदार अंदाज में नजर आईं। समीक्षकों ने फिल्म को काफी सराहा है, जहां इंडिया टीवी ने इसे 5 में से 3.5 स्टार दिए हैं। समीक्षा के अनुसार रानी मुखर्जी इस फिल्म की आत्मा हैं और उन्होंने शिवानी के किरदार को एक नई ऊंचाई दी है। फिल्म में उनके एक्शन सीन्स और जटिल अपराधों को सुलझाने के उनके बेखौफ तरीके ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। यह फिल्म न केवल एक थ्रिलर है, बल्कि फिल्म जगत में रानी मुखर्जी की स्थिति को एक भरोसेमंद अभिनेत्री के रूप में और मजबूत करती है।

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा के यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म अपनी पिछली दो कड़ियों (2014 और 2019) की विरासत को सफलतापूर्वक आगे ले जाती है। फिल्म का बैकग्राउंड और क्रिमिनल माइंडसेट को पकड़ने का तरीका इसे एक मस्ट–वॉच कॉप ड्रामा बनाता है।

# एडवांस बुकिंग में धुरंधर 2 ने देश–विदेश में मचा दिया तहलका, रिलीज से पहले ही तोड़े कमाई के सारे रिकॉर्ड

रणवीर सिंह की श्धुरंधर 2य को रिलीज होने में अभी सात दिन बचे हैं लेकिन इसके लिए फैंस की दीवानगी पीक पर है. रणवीर सिंह, सारा अर्जुन स्टारर और आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की प्री–सेल्स धमाकेदार हो रही है. श्धुरंधर 2य का

प्रीव्यू शो देखन के लिए लोगों में होड़ सी मची हुई है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसकी महंगी से महंगी टिकट भी हाथों हाथ बिक रही है. चलिए यहां जान लेते हैं कि श्धुरंधर 2य ने पेड प्रीव्यू शो के लिए हो रही एडवांस बुकिंग में अब तक कितने करोड़ का कलेक्शन कर लिया है? धुरंधररू द रिवेंज का पीव्यू शो 18 मार्च को होगा. वहीं इसके लिए हो रही एडवांस सेल्स थमने का नाम नहीं ले रही है. ऐसे में 2025 की ब्लॉकबस्टर हिट धुरंधर की सीक्वल के बॉक्स ऑफिस पर कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है.वहीं पेड प्रीव्यू सेल की बात करें तो फिल्म ने भारत में प्रीमियर शो के लिए चार लाख से ज्यादा टिकट बेचे, जो मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन पर दर्शकों की जबरदस्त डिमांड को दिखाता है सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक धुरंधर द रिवेंज या धुरंधर 2 के लिए गुरुवार, 12 मार्च दोपहर 1 बजे तक 8761 शोज के लिए 4 लाख 16 बजार 503 टिकट बिके. इसी के साथ इसने देशभर में बिना ब्लॉक सीटों के 21.64 करोड़ रुपये कमा लिए. वहीं ब्लॉक सीटों के साथ इसकी प्रीव्यू शो के लिए एडवांस बुकिंग से कमाई 26.75 करोड़ रुपये पहुंच चुकी है. बता दें कि रणवीर सिंह स्टारर सीक्वल की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोल रही है. हालांकि पेड प्रीव्यू शो के लिए हो रही बुकिंग में मंबई टॉप पर है यहां अब तक इसने 4.06 करोड़ एडवांस बुकिंग से कमा लिए हैं. इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है जहां ये धुरंधर 2 की 4.20 करोड़ की कमाई हो चुकी है जबकि बेंगलुरू तीसरे नंबर पर है यहां ये एडवांस बुकिंग में धुरंधर 2 ने 3.34 करोड़ कमाए हैं. वहीं पुणे से 1.14 करोड़ और हैदराबाद से 1 करोड़ की कमाई हो चुकी है. गौरतलब है कि देश के इन 5 शहरों से ही आदित्य धर निर्देशित फिल्म ने 5 दिन की एडवांस बुकिंग में 13.74 करोड़ की कमाई कर ली है. अभी तो आंकड़ा और बढ़ने की पूरी उम्मीद है. ओवरसीज मार्केट, खासकर नॉर्थ अमेरिका ने धुरंधर द रिवेंज की एडवांस सेल्स में बहुत बड़ा हिस्सा दिया है. पूरे ओपनिंग वीकेंड के लिए ओवरसीज प्री–सेल्स लगभग 35 करोड़ है, जिसमें अकेले नॉर्थ अमेरिका से लगभग 27 करोड़ शामिल हैं. फिल्म की दुनिया भर में कुल प्री–सेल्स पहले ही लगभग 56 करोड़ हो चुकी हैं, विदेश में सीक्वल की एडवांस सेल्स पहले ही पहली धुरंधर के ओपनिंग वीकेंड के नंबरों को पार कर चुकी है. ऐसे मे ये फिल्म दुनिया भर में आराम से 100 करोड़ प्री–सेल्स पार कर सकती है. कुछ अनुमान तो यह भी कह रहे हैं कि यह 150 करोड़ से ऊपर भी जा सकती है, क्योंकि भारत में अभी पूरी बुकिंग शुरू नहीं हुई है.

# काशिका कपूर का पारंपरिक और वेस्टर्न फैशन का शानदार मेल

अभिनेत्री काशिका कपूर अपने बेहतरीन स्टाइल सेंस से लगातार लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। पारंपरिक और वेस्टर्न फैशन के बीच संतुलन बनाने की उनकी कला बेहद सहज और प्रभावशाली है। अपनी गरिमामयी मौजूदगी और आत्मविश्वास भरे व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली यह अभिनेत्री अपने ऐसे लुक्स से फैशन प्रेमियों को प्रभावित करती रहती हैं, जो एलिगेंस, आकर्षण और आधुनिक अंदाज को खूबसूरती से दर्शाते हैं। जब पारंपरिक पहनावे की बात आती है, तो काशिका हर आउटफिट को बड़ी ही शालीनता के साथ कैरी करती हैं।

खूबसूरत डिटेलिंग वाले एथनिक परिधानों से लेकर क्लासिक सिल्हूट तक, वह पारंपरिक फैशन में एक नया और ताजगी भरा अंदाज जोड़ती हैं, जबकि उसकी मूल भावना को भी बनाए रखती हैं। उनके स्टाइलिंग चॉइस, हल्के मेकअप और सलीकेदार एक्सेसरीज के साथ मिलकर उनके आकर्षक व्यक्तित्व को और निखारते हैं।

# सफर के दौरान जेट लैग से बचने के लिए अपनाएं ये 5 अनोखे उपाय

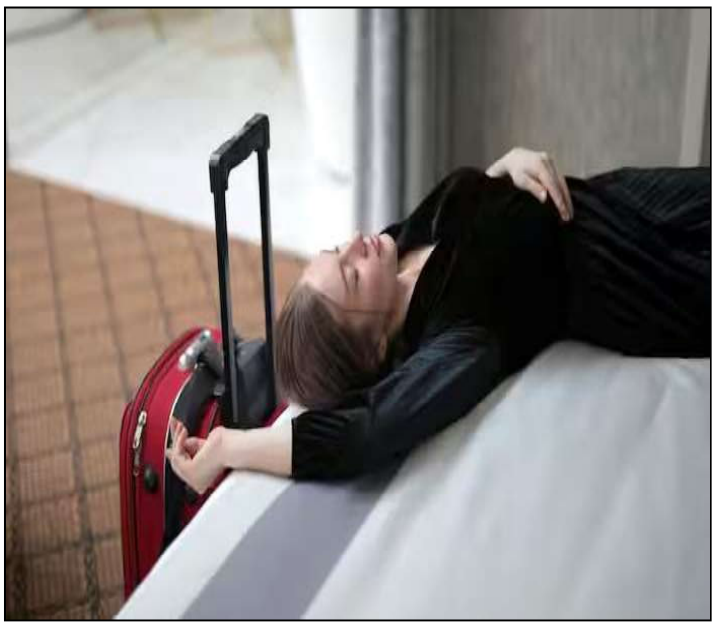

लंबी यात्रा के दौरान जेट लैग एक आम समस्या है। यह शरीर की आंतरिक घड़ी को प्रभावित करता है और नींद के पैटर्न को बिगाड़ सकता है। हालांकि, कुछ सरल और प्रभावी तरीके अपनाकर आप इस समस्या से बच सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताएंगे, जो आपकी यात्रा को आरामदायक और मजेदार बना सकते हैं और आपको जेट लैग से बचा भी सकते हैं।

सोने का समय बदलें: सफर पर निकलने से पहले अपने सोने का समय धीरे–धीरे बदलें। अगर आप किसी ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां समय अलग है तो अपने सोने और जागने का समय उसी हिसाब से सेट कर लें। उदाहरण के लिए, अगर आप अमेरिका से भारत जा रहे हैं और वहां रात के 10 बजे होंगे तो भारत में सुबह के 8 बज रहे होंगे। इस तरह समय का ध्यान रखने से शरीर को नए समय के अनुसार ढलने में आसानी होगी।

पानी पीते रहें

यात्रा के दौरान पर्याप्त पानी पीना बहुत जरूरी है। शरीर को तरल पदार्थों से भरपूर रखना थकान कम करता है और नींद में सुधार करता है। एयरपोर्ट या विमान में मिलने वाले पेय पदार्थों के बजाय बोतल बंद पानी पीएं। इसके अलावा यात्रा के दौरान कभी भी पानी की कमी न होने दें। इससे आपका शरीर तरोताजा रहेगा और आप जेट लैग से बच सकेंगे। पानी पीने से आपकी त्वचा भी ताजगी महसूस करेगी।

हल्का खाना खाएं

यात्रा के दौरान भारी खाना खाने से बचें, क्योंकि इससे पाचन पर दबाव पड़ता है और नींद में खलल उत्पन्न हो सकता है। हल्का खाना जैसे फल, सलाद या दही खाएं। इससे आपका पाचन ठीक रहेगा और नींद भी अच्छी आएगी। इसके अलावा हल्का खाना खाने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है, जिससे आप यात्रा का आनंद ले सकें और जेट लैग से बच सकें। इस तरह आप अपनी यात्रा को आरामदायक बना सकते हैं।

नींद की व्यवस्था करें

अगर आपकी फ्लाइट रात में है तो अपने साथ एक अच्छी गुणवत्ता वाली आंखों की पट्टी और कान बंद करने वाले उपकरण रखें। ये उपकरण आपको शांति से सोने में मदद करेंगे और बाहरी शोरगुल से बचाएंगे। इसके अलावा आप अपने साथ एक हल्की कंबल या तकिया भी रख सकते हैं, जिससे आपकी यात्रा और भी आरामदायक हो जाएगी। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी यात्रा को आरामदायक बना सकते हैं और जेट लैग से बच सकते हैं।

हल्की कसरत करें

यात्रा के दौरान थोड़ी बहुत कसरत करना भी जरूरी है, ताकि आपका शरीर सक्रिय रहे और थकान कम हो। विमानतल पर थोड़ी देर टहलें या हल्का स्ट्रेचिंग करें। इससे रक्त संचार बेहतर होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा कसरत करने से आपकी मांसपेशियां भी आराम करेंगी और आप जेट लैग से बच सकेंगे। इन सरल और प्रभावी उपायों को अपनाकर आप अपनी यात्रा को आरामदायक बना सकते हैं और जेट लैग से बच सकते हैं।